Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 214 | बुधवार, 12 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

हर घर तिरंगा, हर मन तिरंगा... स्वतंत्रता सेनानियों को दें श्रद्धांजलि

पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर की अपील

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नागरिकों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में शामिल होने और स्वतंत्रता दिवस से पहले इसे हर घर में एक उत्सव की तरह मनाने का आग्रह किया। मोदी ने इंस्टाग्राम पर इस कैंपेन से जुड़ा एक वीडियो शेयर करते हुए कहा, आइए, #HarGharTiranga को हर घर में एक उत्सव बनाएं।' यह 15 अगस्त को होने वाले 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले हुआ।

इससे पहले संसद भवन परिसर में मंगलवार को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की साप्ताहिक संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहुंचने पर राजग सांसदों ने तिरंगा लहराकर तथा 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। संसद भवन पुस्तकालय स्थित जीएमसी बालयोगी सभागार में आयोजित इस 'मंगल मिलन' बैठक में केंद्रीय मंत्रियों, राजग नेताओं और गठबंधन में शामिल दलों के सांसदों ने हिस्सा लिया। बैठक में जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने जल शक्ति मंत्रालय के विभिन्न कार्यों पर एक प्रस्तुति भी दी। प्रधानमंत्री के सभागार में पहुंचते ही मंत्रियों और सांसदों ने राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए उनका अभिनंदन किया तथा 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। बैठक में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, निर्मला सीतारमण, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, एस जयशंकर सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

राजग के घटक दलों के नेताओं में जद(एस) के एचडी कुमारस्वामी, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के किंजरापु राम मोहन नायडू, आरपीआई (ए) के रामदास आठवले, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रफुल्ल पटेल, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के उपेंद्र कुशवाहा और एनसीपीआई की शताब्दी रॉय सहित अन्य मंत्री भी बैठक में मौजूद रहे। संसद सत्र के दौरान हर मंगलवार को राजग संसदीय दल की बैठक आयोजित की जाती है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और 13 अगस्त को संपन्न होगा। बैठक के तुरंत बाद, राजग सांसदों ने संसद के मकर द्वार के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जहां उनका आमना-सामना विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के सांसदों से हुआ, जो विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे।

एक ओर, जहां सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों पर पुलिस की ''बर्बर'' कार्रवाई और देश के अलग-अलग हिस्सों में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के मुद्दे पर संसद में चर्चा से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कथित तौर पर ''भागने'' का विरोध करते हुए नारे लगाए।

वंदे मातरम बिल बना कानून, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

राष्ट्रगान जैसा ही अब होगा सम्मान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को 'वंदे मातरम बिल' को मंजूरी दे दी, जिससे राष्ट्रीय गीत को भी राष्ट्रीय गान के समान कानूनी संरक्षण मिल गया है। संसद ने पिछले महीने 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026' पास किया, जिसमें 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971' में संशोधन किया गया। इस कानून का मकसद 'वंदे मातरम' को भी राष्ट्रीय गान 'जन गण मन' जैसी ही कानूनी सुरक्षा देना है।

राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद यह विधेयक अब कानून बन गया है। अब ऐसे अपराधों के लिए तीन साल तक की जेल, जुमार्ना या दोनों सजा का प्रावधान था, जबकि दूसरी बार और उसके बाद हर बार दोषी पाए जाने पर कम से कम एक साल की जेल की सजा होती थी। पुराने कानून में राष्ट्रीय गीत के लिए वैसी सुरक्षा नहीं थी। बिल में कहा गया है कि अभी 'वंदे मातरम' के गायन के अपमान को रोकने के लिए कोई खास कानूनी प्रावधान नहीं है, जबकि इसे राष्ट्रीय गीत का सम्मान प्राप्त है। इसलिए, किसी व्यक्ति को राष्ट्रीय गीत गाने से जानबूझकर रोकने या ऐसे गायन में लगी किसी सभा में बाधा डालने से रोकने के लिए, उक्त अधिनियम की धारा 3 में संशोधन करके राष्ट्रीय गीत को भी इसके दायरे में लाने का प्रस्ताव है, ताकि ऐसे कार्यों को दंडनीय बनाया जा सके।

कपड़े पहनकर बैठो, महिलाएं आ रही हैं...

बनियान और शॉर्ट्स पहने आप विधायक का वीडियो देख भड़कीं सीएम रेखा गुप्ता

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अनिल झा वत्स पर निशाना साधा। एक वायरल वीडियो में उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए दस्तावेजों पर साइन करते हुए सिर्फ. अंडरगारमेंट्स (बनियान और शॉर्ट्स) में बैठे देखा गया। सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो में, उत्तर-पश्चिम दिल्ली के किराड़ी से अअढ विधायक कुर्सी पर पालथी मारकर बैठे हैं। उन्होंने बनियान और शॉर्ट्स पहने हुए हैं और उनकी गोद में केसरिया रंग का कपड़ा रखा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो तब रिकॉर्ड किया गया था जब झा महिलाओं को आर्थिक मदद देने वाली दिल्ली सरकार की एक योजना के लिए लोगों के आवेदन फॉर्म पर साइन कर रहे थे। वीडियो में झा की डेस्क के सामने महिलाओं समेत कई लोगों को लाइन में इंतजार करते हुए देखा जा सकता है।

दिल्ली विधानसभा के मॉनसून सत्र के दौरान इस वीडियो का ज़िक्र करते हुए रेखा गुप्ता ने विधायक के पहनावे की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जन-प्रतिनिधियों को मयार्दा बनाए रखनी चाहिए, खासकर तब जब वे अपने निर्वाचन क्षेत्र की महिलाओं से मिल रहे हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपका व्यवहार शर्मनाक है। जब महिलाएं अपने कागजों पर साइन करवाने के लिए आपके पास आएं, तो कम से कम आपको ठीक से कपड़े पहनने चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि उनसे कहिए कि ऐसी स्थिति में साइनबोर्ड हटवा दें। मैंने उनकी रील देखी है। दिल्ली के लोग आपसे सवाल पूछ रहे हैं।

आपको शर्म आनी चाहिए। मैंने रिकॉर्डिंग देखी है। एक जन-प्रतिनिधि को ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए। बीजेपी नेता ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की गरिमा और सम्मान की रक्षा की जानी चाहिए और महिलाओं के प्रति अभद्र व्यवहार या आपत्तिजनक इशारे लोकतांत्रिक मूल्यों और सदन की गरिमा के खिलाफ हैं। राजनीति

उन्होंने कहा कि महिलाओं की गरिमा की रक्षा करना सभी चुने हुए प्रतिनिधियों की सामूहिक ज़िम्मेदारी है और दिल्ली सरकार महिलाओं के अधिकारों और गरिमा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। रेखा ने झा पर विधानसभा की कार्यवाही के दौरान अश्लील इशारे करने का आरोप भी लगाया और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

झारखंड विधानसभा में घमासान, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बोले- बीजेपी कर रही छात्र आंदोलन से राजनीति!

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

रांची। झारखंड में JPSC और JSSC भर्ती परीक्षाओं को लेकर चल रहे छात्रों के विरोध के बीच, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को विधानसभा में सरकार का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) प्रारंभिक परीक्षा और बैकलॉग परीक्षाओं को रद्द करने की सरकार की तैयारी की बात कही। उन्होंने यह भी घोषणा की कि खदरउ परीक्षाएं आयोजित करने वाली एजेंसी TDPL से जुड़ी परीक्षाओं की जांच की जाएगी, और भर्ती परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए IIT और IIM जैसे प्रमुख संस्थानों के विशेषज्ञों से सलाह ली जाएगी।

सोरेन ने कहा कि हमने सदन को चलाने की पूरी कोशिश की, आपने देखा कि सदन में नोट उछाले और दिखाए गए। ये वही नोट हैं जो यहां उनकी (बीजेपी) मौजूदगी और उनकी राजनीति का आधार हैं। आप सभी जानते हैं कि जब से बीजेपी सत्ता में आई है, गरीबों, जरूरतमंदों और आप जैसे युवाओं की जेब से पैसा कैसे खो रहे हैं; छोटे, मध्यम और बड़े कारोबार बंद हो रहे हैं। तो, रोजगार कहां से आएगा?

मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि, आप देखेंगे कि इन सभी परीक्षाओं में चुने गए 75% से 100% उम्मीदवार इसी क्षेत्र के मूल निवासी हैं... यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि इखढ के कार्यकाल में दूसरे राज्यों के लोगों ने यहां बड़े पैमाने पर नौकरियां हासिल की हैं। विपक्ष के हर सवाल का हमारे पास जवाब है, लेकिन उनकी महत्वाकांक्षाएं बहुत बड़ी हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके लिए सच का सामना करना बहुत मुश्किल हो गया है। इसी बेचैनी का नतीजा है कि आज सदन को समय से पहले स्थगित करना पड़ा– या कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगा।

मक्का रक्षा समझौता: अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठायेगा भारत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत ने सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के बीच 'मक्का संयुक्त रक्षा समझौते' पर सधी हुई प्रतिक्रिया करते हुए कहा है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सभी जरूरी कदम उठायेगा। पश्चिम एशिया की स्थिति के बारे में भारत ने कहा है कि वहां के घटनाक्रम पर उसकी कड़ी नजर है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को मीडिया ब्रीफिंग में इस बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में कहा कि भारत पश्चिम एशिया संघर्ष के घटनाक्रमों पर लगातार करीब से नजर रख रहा है। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच समझौते पर उन्होंने कहा, जहां तक इस समझौते का सवाल है, हम भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता दोनों के नजरिए से इसके प्रभावों की समीक्षा कर रहे हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सभी जरूरी कदम उठाएगा। उल्लेखनीय है कि तीनों देशों ने सात अगस्त को एक त्रिपक्षीय रक्षा समझौते 'मक्का संयुक्त रक्षा समझौते' पर हस्ताक्षर किये थे।

ईडी की बड़ी कार्रवाई, कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल गिरफ्तार, 2,883 करोड़ के घोटाले की जांच तेज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य में कथित शराब घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। एऊ के रायपुर जोनल ऑफिस ने इस मामले में पूछताछ के बाद अग्रवाल को गिरफ्तार किया, जो चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच में एक बड़ी कार्रवाई है। यह कदम ईडी द्वारा इस मामले में 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति अटैच करने के लगभग दो महीने बाद उठाया गया है। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002 के तहत 28 मई को जारी तीन प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर (PAO) के बाद की गई थी, जिसमें लगभग 200 करोड़ रुपये की डीड वैल्यू और 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की अनुमानित मार्केट वैल्यू वाली संपत्तियों को निशाना बनाया गया था। ईडी ने कहा कि यह जांच रायपुर के इकोनॉमिक ऑफेंस विंग और एंटी-करप्शन ब्यूरो (EOW/ACB) द्वारा दर्ज एफआईआर से जुड़ी है।

सम्राट चौधरी ने भारत छोड़ो आंदोलन के शहीदों को दी श्रद्धांजलि, करोड़ों पेंशनर्स को बड़ी सौगात

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 11 अगस्त को उन सात युवा स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी, जो 1942 में 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान पटना सचिवालय पर भारतीय तिरंगा फहराने की कोशिश करते हुए ब्रिटिश पुलिस की गोली का शिकार हुए थे। बिहार के आजादी के संघर्ष के इतिहास में एक अहम दिन पर, चौधरी ने शहीदों को श्रद्धांजलि देने और उनके बलिदान को याद करने के लिए पटना के शहीद स्मारक परिसर का दौरा किया। उन्होंने याद किया कि कैसे ब्रिटिश पुलिस ने पटना सचिवालय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की कोशिश कर रहे छात्रों के एक समूह पर गोलीबारी की थी, जिसमें सात युवा मारे गए थे।

शहीद होने वालों में उमाकांत प्रसाद सिंह, रामानंद सिंह, सतीश प्रसाद झा, जगपति कुमार, देवीपद चौधरी, राजेंद्र सिंह और रामगोविंद सिंह शामिल थे। यह घटना, अगस्त 1942 में महात्मा गांधी द्वारा भारत से अंग्रेजों के जाने की मांग को लेकर शुरू किए गए 'भारत छोड़ो आंदोलन' का हिस्सा थी और बिहार की सबसे अहम घटनाओं में से एक मानी जाती है।

11 अगस्त को बिहार उन सात छात्रों के बलिदान को याद करता है जिन्होंने देश की आजादी और राष्ट्रीय पहचान के लिए अपनी जान दे दी थी। मुख्यमंत्री चौधरी ने 'बिहार पेंशन दिवस' पर राज्य भर के लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा लाभ देने के बाद उन्हें श्रद्धांजलि दी।

एनडीए के 'मंगल मिलन' में छाया तिरंगा, संसद परिसर में छिड़ा संग्राम, एनडीए बनाम इंडिया के बीच जबरदस्त तकरार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र अपने आखिरी पड़ाव पर है और मंगलवार को सत्ता के गलियारे में एनडीए का साप्ताहिक 'मंगल मिलन' हुआ। संसद भवन परिसर स्थित जीएमसी बालयोगी सभागार में हुई इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन समेत एनडीए के तमाम सांसद और वरिष्ठ नेता तिरंगा लहराते नजर आए। माहौल में 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे गूंजे तो सियासत का संदेश भी साफ था कि सत्र के बचे दो दिन सरकार पूरी ताकत से मैदान में रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी के साथ अमित शाह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामकर एकजुटता का प्रदर्शन किया। यानी तस्वीर में तिरंगा था, लेकिन उसके पीछे अगले 48 घंटों की संसदीय रणनीति भी थी। दरअसल, यह बैठक इसलिए खास है क्योंकि यह मानसून सत्र के दौरान एनडीए की आखिरी साप्ताहिक संसदीय बैठक है। सत्र गुरुवार को समाप्त हो जाएगा। अब सवाल सिर्फ यह नहीं है कि कौन-सा विधेयक पारित होगा, बल्कि असली परीक्षा यह है कि सरकार विपक्ष के हंगामे के बीच अपने विधायी एजेंडे को कितना आगे ले जा पाती है।

देखा जाये तो मानसून सत्र अब तक विपक्ष के लगातार विरोध और सदन में व्यवधान के कारण सुर्खियों में रहा है। विभिन्न मुद्दों को लेकर विपक्षी सांसदों के प्रदर्शन ने कई बार कार्यवाही की रफ्तार पर ब्रेक लगाया है। सरकार भी महत्वपूर्ण विधायी प्रस्तावों को लेकर विपक्ष के तीखे प्रतिरोध का सामना करती रही है। ऐसे में संसद के पास बचे सिर्फ दो दिन सियासी और संसदीय, दोनों मोर्चों पर बेहद अहम हैं। इस बीच, संसद के भीतर बहस पर ब्रेक और बाहर पोस्टर-नारेबाजी ने आज एनडीए और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के बीच सियासी तापमान और बढ़ा दिया। एनडीए सांसद संसद पुस्तकालय से मकर द्वार की ओर मार्च करते हुए हाथों में तख्तियां लिए विपक्ष पर चर्चा से भागने का आरोप लगाते रहे। 'राहुल गांधी जवाब दो' और 'राहुल गांधी भागो मत' जैसे नारों के बीच सत्ता पक्ष का कहना था कि सरकार झारखंड में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह खुद जवाब देने को तैयार हैं, लेकिन विपक्ष सदन के भीतर चर्चा करने की बजाय बाहर सियासी प्रदर्शन कर रहा है। दूसरी ओर कांग्रेस और विपक्षी सांसदों ने छात्रों पर कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर अमित शाह से जवाबदेही की मांग की।

दोनों खेमे संसद परिसर में आमने-सामने आए तो सुरक्षा बलों को बीच में घेरा बनाना पड़ा।

राहुल गांधी देशद्रोही शक्तियों के हाथ आ चुके हैं, कंगना रनौत का कांग्रेस नेता पर वार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कंगना रनौत ने संसद के बाहर एनडीए के दूसरे सांसदों के साथ विरोध मार्च में शामिल होकर राहुल गांधी की आलोचना की। यह मार्च संसद लाइब्रेरी से मकर द्वार की ओर निकाला गया।

इस एक्टर-नेता ने विपक्ष पर बार-बार संसद की कार्यवाही में बाधा डालने का आरोप लगाया और विपक्ष के नेता से उठाए जा रहे मुद्दों पर जवाब देने को कहा।

न्यूज एजेंसी से बात करते हुए कंगना ने आरोप लगाया कि विपक्ष ने इस मुद्दे पर बहस की मांग करने के बावजूद इस मामले पर चर्चा करने से इनकार कर दिया। कंगना ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर बात करने से इनकार कर दिया है। पहले उन्होंने कहा था कि वे कॉकरोच वाले विरोध प्रदर्शन पर बात करना चाहते हैं। लेकिन जब उनका स्वागत किया गया, तो उन्होंने इस मुद्दे पर बात करने से मना कर दिया। उन्होंने विपक्ष पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आप देख सकते हैं कि वे आपके देश को कितना धोखा दे रहे हैं। वे संसद को एक दिन भी नहीं चलने दे रहे हैं। कंगना ने कहा कि पहले तो उन्होंने (विपक्ष ने) चर्चा कराने के लिए इतना हंगामा किया। अब जब चर्चा होने जा रही है, तो वे उससे भाग रहे हैं। वे अमित शाह जी की बात नहीं सुनना चाहते।

ऐसे में सदन कैसे चलेगा? देश देख रहा है कि वे किस तरह देश-विरोधी ताकतों के हाथों में पड़ गए हैं। यह शर्म की बात है कि उन्होंने इस दौरान सदन को एक दिन भी नहीं चलने दिया। विरोध मार्च के दौरान, कंगना को एक तख्ती पकड़े हुए देखा गया, जिस पर लिखा था, झारखंड में छात्रों पर हुई हिंसा पर राहुल गांधी जवाब दो! एनडीए सांसदों ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए नारे भी लगाए, जिनमें 'राहुल गांधी जवाब दो' और 'राहुल गांधी भागो मत' शामिल हैं।

संपादक की कलम से

युवा शक्ति को मिले दिशा, सपनों को मिले उड़ान

ललित शर्मा
संपादक

युवा केवल उम्र की एक अवस्था नहीं, बल्कि ऊर्जा, साहस, कल्पना, परिवर्तन और नवसृजन की चेतना का नाम है। जिस समाज की युवा शक्ति जाग्रत, संवेदनशील और रचनात्मक होती है, वह समाज परिवर्तन की नई इबारत लिखता है। इसके विपरीत जब युवा ऊर्जा दिशाहीन हो जाती है तो वही शक्ति हिंसा, नशे, उग्रवाद, अपराध, निराशा और विध्वंस का कारण बन सकती है। इसलिए आज दुनिया के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि युवा क्या कर रहे हैं, बल्कि यह है कि उनकी विराट ऊर्जा को किस दिशा में लगाया जा रहा है। इसी चिंतन को वैश्विक स्तर पर महत्व देने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है। वर्ष 2000 से इस दिवस का आयोजन शुरू हुआ। इस वर्ष का विषय है-ह्यविभिन्न परिस्थितियाँ, साझा आकांक्षाएँ ह्व यह विषय आज की युवा पीढ़ी की वास्तविकता को बहुत गहराई से अभिव्यक्त करता है। दुनिया के युवाओं की परिस्थितियाँ भिन्न हैं। कहीं गरीबी और बेरोजगारी है, कहीं युद्ध और असुरक्षा, कहीं शिक्षा के अवसरों की कमी है, कहीं तकनीकी असमानता और पर्यावरण संकट है, लेकिन इन सबके बीच उनकी आकांक्षाएँ आश्चर्यजनक रूप से समान हैं। वे सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्थक रोजगार, सुरक्षा, मानसिक सुख-शांति, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी और बेहतर भविष्य चाहते हैं। दुनिया की सरकारों को यह समझना होगा कि युवा केवल चुनाव के समय याद आने वाला मतदाता नहीं है। वह राष्ट्र की नीति-निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। जिस युवा के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, उसकी आवाज उन निर्णयों में कितनी शामिल है, यह लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी महत्वपूर्ण पैमाना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 युवाओं को शांति निर्माण और हिंसा की रोकथाम में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्वीकार करता है। यह स्वीकारोक्ति इस बात का प्रमाण है कि युवा समस्या नहीं, बल्कि समाधान की शक्ति हैं। आज आवश्यकता है कि हर देश में ऐसी प्रभावी व्यवस्था बने, जिसमें विद्यार्थी, उद्यमी, किसान, वैज्ञानिक, कलाकार, खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता युवा सीधे नीति-निमार्ताओं से संवाद कर सकें। केवल युवाओं पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं के साथ योजनाएँ बनाना आवश्यक है। भारत की सबसे बड़ी शक्तियों में उसकी युवा आबादी भी है। भारत के युवाओं ने अनेक बार सिद्ध किया है कि उनमें केवल नौकरी पाने की आकांक्षा नहीं, बल्कि कुछ नया करने की बेचैनी भी है। विज्ञान, खेल, तकनीक, उद्यमिता, कला, साहित्य और सामाजिक सेवा से लेकर अनेक क्षेत्रों में भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के पुनर्निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण माना था। उनका विश्वास था कि जाग्रत, चरित्रवान और संकल्पवान युवा राष्ट्र की दिशा बदल सकता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके चिंतन का मूल संदेश था कि बड़े सपने देखो, ज्ञान अर्जित करो और उन सपनों को कर्म में बदलो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी भारत के विकास विमर्श में युवा शक्ति, नवाचार, कौशल, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। लेकिन अब अगला चरण इससे आगे जाने का है। युवा को योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास का सह-निमार्ता बनाना होगा। युवा दिवस की सार्थकता तब होगी जब 12 अगस्त के बाद भी युवा के जीवन में कोई सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। क्यों न इस वर्ष प्रत्येक

कर्णधार

उदय कशोर साह

कविता

अदृश्य देश की राजनीति की सैर करा दूँ
उस देश की राजनेताओं से परिचय कराऊँ
जिसको राष्ट्र की विकास से ना है सरोकार
राजसिंहासन पे बैठने की है एकमात्र विचार

जनता की मूल भूत जरूरत को ना समझे अनाड़ी
जिसे जनाधार की समझ नहीं है वो कैसा खिलाड़ी
सत्तासुख के लिये जो संसद में नित्य करता बवाल
राष्ट्रहित की नहीं है जिनको कोई भी कभी ख्याल

ईमानदार राजा का भी बन जाता जो सदैव ही बैरी
कुरसी से हटाने की करता है नीचता की हेराफेरी
वोट बैंक के खातिर करता है जो नित्य नई चमत्कार
कैसे कैसे राजनेता उपजा लिया है मतदाता मेरे यार

शिक्षा चिकित्सा का जो करता हो देश में अनादर
कृषक व छात्र को बना लिया है राजनीति में बिरादर
जनता की टैक्स का हो रहा करोड़ों का बंटाधार
जनता की परेशानी का अब कौन करेगा उपचार

राजकोष की लग रही है करोड़ों की आज चूना
बेवकूफ है वो मतदाता जिसने ऐसे नेता को चुना
ऐसे राजनीति करने वाले को है देश करता धिक्कार
जो राष्ट्रहित से करता है औछी राजनीति वो है गद्दार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

आजादी के 80 वर्ष: विज्ञान और खोज में भारत की असाधारण यात्रा

डॉ विजय गर्ग
लेखक

भारत जब अपनी स्वतंत्रता के 80 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहा है, तब यह केवल एक ऐतिहासिक राजनीतिक उपलब्धि को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक खोज, तकनीकी नवाचार और बौद्धिक विकास की एक असाधारण यात्रा पर विचार करने का भी समय है। 1947 के बाद भारत ने सीमित वैज्ञानिक ढाँचे वाले एक नवस्वतंत्र देश से अंतरिक्ष अनुसंधान, चिकित्सा, कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, परमाणु विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और अनेक अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले राष्ट्र तक का लंबा सफर तय किया है। स्वतंत्रता के समय भारत के सामने बहुत बड़ी चुनौतियाँ थीं। गरीबी व्यापक थी, साक्षरता दर कम थी, स्वास्थ्य सुविधाएँ सीमित थीं और वैज्ञानिक संस्थानों की संख्या भी बहुत कम थी। इसके बावजूद देश के नेतृत्व ने यह समझ लिया था कि आधुनिक और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए विज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। मौलिक अनुसंधान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा और औद्योगिक विकास के लिए संस्थानों की स्थापना की गई, जिन्होंने भारत के वैज्ञानिक ढाँचे की मजबूत नींव रखी। भारत की वैज्ञानिक यात्रा का सबसे शानदार अध्याय अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। सीमित संसाधनों के साथ शुरूआत करने वाले भारत ने उपग्रहों के निर्माण और प्रक्षेपण, चंद्रमा और मंगल की खोज तथा उन्नत अंतरिक्ष तकनीकों के विकास की क्षमता हासिल की। भारत के चंद्र मिशनों ने चंद्रमा के बारे में हमारी समझ को व्यापक बनाया, जबकि मंगल मिशन ने यह साबित किया कि सुनियोजित प्रयास और सीमित संसाधनों के बावजूद महत्वाकांक्षी वैज्ञानिक उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। इन उपलब्धियों ने लाखों युवा भारतीयों को विज्ञान और इंजीनियरिंग की ओर नए आत्मविश्वास के साथ देखने के लिए प्रेरित किया है। भारतीय वैज्ञानिकों ने कृषि के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हरित क्रांति ने भारत के खाद्य उत्पादन में बड़ा परिवर्तन किया और देश को खाद्यान्न आयात पर निर्भरता से अधिक खाद्य सुरक्षा की ओर बढ़ने में मदद की। इसके बाद कृषि अनुसंधान ने सूखा-रोधी फसलों, उन्नत किस्मों, जैव प्रौद्योगिकी, मृदा स्वास्थ्य और जलवायु-अनुकूल खेती जैसे क्षेत्रों में प्रगति की। आज चुनौती केवल अधिक भोजन पैदा करना नहीं है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करते हुए पौष्टिक और टिकाऊ खाद्य उत्पादन करना भी है। स्वास्थ्य क्षेत्र वैज्ञानिक प्रगति का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है। भारत ने एक

विशाल औषधि उद्योग विकसित किया है और किफायती दवाओं तथा टीकों के एक महत्वपूर्ण उत्पादक के रूप में अपनी पहचान बनाई है। भारतीय शोधकताओं और चिकित्सा विशेषज्ञों ने रोग नियंत्रण, निदान, जैव प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में योगदान दिया है। कोविड-19 महामारी के दौरान देश के अनुभव ने वैज्ञानिक अनुसंधान, वैक्सीन विकास, उत्पादन क्षमता और स्वास्थ्य ढाँचे के महत्व को और अधिक स्पष्ट किया। सूचना प्रौद्योगिकी की क्रांति शायद भारत के सबसे दिखाई देने वाले परिवर्तनों में से एक है। कुछ दशक पहले अपेक्षाकृत छोटे तकनीकी क्षेत्र से शुरूआत करने वाला भारत आज सॉफ्टवेयर, डिजिटल सेवाओं, दूरसंचार और तकनीकी नवाचार का एक महत्वपूर्ण वैश्विक केंद्र बन चुका है। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के विकास ने यह भी दिखाया है कि तकनीक का उपयोग बड़े पैमाने पर सेवाओं, डिजिटल भुगतान, पहचान और संचार तक पहुँच को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है। भारत की वैज्ञानिक कहानी में परमाणु ऊर्जा, पदार्थ विज्ञान, इंजीनियरिंग, औषधि उद्योग, आनुवंशिकी, पर्यावरण विज्ञान और नवीकरणीय ऊर्जा भी शामिल हैं। भारतीय संस्थानों ने मौलिक अनुसंधान के साथ-साथ ऐसी तकनीकों के विकास में भी योगदान दिया है, जो आम लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित करती हैं। सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों, उन्नत विनिर्माण और स्वच्छ तकनीकों का विस्तार दशार्ता है कि आधुनिक चुनौतियों से निपटने में विज्ञान की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इन आठ दशकों की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद कोई एक खोज या तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि देश में वैज्ञानिक संस्कृति का विकास है। विश्वविद्यालयों, प्रयोगशालाओं, अनुसंधान संस्थानों, आईआईटी, मेडिकल कॉलेजों और अन्य अनेक संस्थानों ने वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, डॉक्टरों और शोधकताओं की कई पीढ़ियाँ तैयार की हैं। देश के भीतर और विदेशों में कार्य कर रहे भारतीय वैज्ञानिकों ने वैश्विक विज्ञान में भारत के योगदान को मजबूत किया है। लेकिन वैज्ञानिक प्रगति के 80 वर्षों का उत्सव हमें यह सोचने के लिए भी प्रेरित करना चाहिए कि अगला कदम क्या होगा। भारत जलवायु परिवर्तन, जल संकट, प्रदूषण, उभरती बीमारियों, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा की बढ़ती जरूरतों, जैव विविधता में कमी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े नैतिक प्रश्नों जैसी जटिल चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन समस्याओं के समाधान के लिए केवल अधिक अनुसंधान ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिकों, शिक्षकों, उद्योग, नीति-निमार्ताओं और समाज के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता है। भारतीय विज्ञान का भविष्य अंततः युवाओं पर निर्भर करेगा। वैज्ञानिक जिज्ञासा को बचपन से ही प्रोत्साहित करना होगा। विद्यार्थियों को केवल परीक्षाओं के लिए जानकारी याद करने के बजाय प्रयोग करने, प्रश्न पूछने, निरीक्षण करने, कुछ नया बनाने और खोज करने के अवसर मिलने चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में मजबूत अनुसंधान संस्कृति, बेहतर प्रयोगशालाओं और वास्तविक जीवन की वैज्ञानिक समस्याओं से परिचय की आवश्यकता है। भारत को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वैज्ञानिक प्रगति समावेशी हो। तकनीक और अनुसंधान के लाभ ग्रामीण समुदायों, किसानों, महिलाओं, बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक पहुँचने चाहिए। नवाचार तभी सार्थक बनता है जब वह आम नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाता है। भारत जब स्वतंत्रता के 81वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तब उसकी वैज्ञानिक यात्रा हमें एक महत्वपूर्ण सबक देती है: राष्ट्र केवल अपने प्राकृतिक संसाधनों या आर्थिक संपदा से मजबूत नहीं होते, बल्कि ज्ञान उत्पन्न करने और उस ज्ञान को समस्याओं के समाधान में बदलने की क्षमता से भी मजबूत होते हैं। प्रयोगशालाओं से खेतों तक, अस्पतालों से उपग्रहों तक, कक्षाओं से डिजिटल नेटवर्क तक—विज्ञान ने पिछले आठ दशकों में भारत के परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सीमित वैज्ञानिक क्षमता से वैश्विक तकनीकी महत्वाकांक्षा तक की यह यात्रा दृढ़ संकल्प, कल्पनाशीलता और राष्ट्रीय आत्मविश्वास की कहानी है। अगला अध्याय इससे भी अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। भारत को केवल तकनीक का उपयोग करने वाला देश नहीं, बल्कि नई तकनीक विकसित करने वाला देश बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। केवल वैज्ञानिक विकास का अनुसरण करने के बजाय उसका नेतृत्व करना चाहिए और केवल कुशल पेशेवर तैयार करने के बजाय मौलिक विचारकों, शोधकताओं और खोजकताओं को प्रोत्साहित करना चाहिए। आजादी के 80 वर्षों ने भारत को निर्माण का अवसर दिया है। आने वाले दशक खोज, नवाचार और वैज्ञानिक नेतृत्व के युग बनने चाहिए।

लापता बचपन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: अब हर मिनट की होगी जवाबदेही!

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर भारत में किसी व्यक्ति, विशेषकर किसी बच्चे का अचानक घर, स्कूल,सड़क, रेलवे स्टेशन या सार्वजनिक स्थान से गायब हो जाना केवल एक परिवार की निजी त्रासदी नहीं है।यह कानून- व्यवस्था, मानवाधिकार, बाल- सुरक्षा,मानव तस्करी और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा गंभीर राष्ट्रीय प्रश्न है।मंगलवार 11 अगस्त 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने इसी विषय पर सुनवाई करते हुए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को बेहद स्पष्ट और कड़ा संदेश दिया कि लापता व्यक्ति की सूचना मिलते ही उसकी उम्र या जेंडर की परवाह किए बिना तत्काल एफआईआर दर्ज करनी होगी। अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि उसके पिछले आदेश में इस्तेमाल किया गया शब्द 'पर्सन'केवल बच्चों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति, बच्चा हो या वयस्क, महिला हो या पुरुष, सभपर पर लागू होता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत को अब ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें किसी थाने से यह आवाज न आए कि पहले 24 घंटे इंतजार कीजिए, किसी परिवार को एफआईआर के लिए भटकना न पड़े,कोई राज्य यह न कह सके कि मामला दूसरे राज्य का है और कोई ट्रैफिकिंग नेटवर्क प्रशासनिक सीमाओं का फायदा न उठा सके।क्योंकि किसी बच्चे का गुम होना केवल एक परिवार का बच्चा गुम होना नहीं है,यह भारत के भविष्य का एक हिस्सा गुम होना है।और सुप्रीम कोर्ट का आज का सबसे बड़ा संदेश शायद यही है, लापता व्यक्ति का हर मिनट महत्वपूर्ण है; एफआईआर में देरी केवल प्रशासनिक देरी नहीं, किसी जिंदगी को बचाने का खोया हुआ अवसर हो सकती है।उधर अदालत ने चेतावनी दी कि यदि कोई राज्य या केंद्रशासित प्रदेश इस निर्देश का पालन नहीं करता है तो संबंधित मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को अवमानना की कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होकर यह बताना पड़ सकता है कि उनके विरुद्ध कार्रवाई क्यों न की जाए।

साथियों मंगलवार 11 मार्च 2026 को यह टिप्पणी दो जस्टिस बेंच की पीठ ने , मानव तस्करी की रोकथाम और लापता व्यक्तियों को खोजने के उपायों से संबंधित कार्यवाही में पिछले आदेशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए की।सुप्रीम कोर्ट के सामने यह बात आई कि कुछ राज्य उसके 22 मई 2026 के आदेश की ऐसी व्याख्या कर रहे थे मानो तत्काल एफआईआर का निर्देश केवल बच्चों के मामलों में लागू होता

हो।अदालत ने इस व्याख्या को पूरी तरह खारिज करते हुए नाराजगी व्यक्त की और कहा कि उसके आदेश की भाषा साफ और स्पष्ट थी। अदालत के अनुसार 'पर्सन' का अर्थ हर व्यक्ति है, चाहे उसकी उम्र या जेंडर कुछ भी हो। यह स्पष्टीकरण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि लापता होने के बाद शुरूआती समय केवल बच्चे के लिए ही नहीं, बल्कि हर व्यक्ति के सुरक्षित मिलने के लिए निर्णायक हो सकता है।सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरी व्यवस्था के केंद्र में गोल्डन अवर्स की अवधारणा को रखा है।किसी व्यक्ति के लापता होने के बाद शुरूआती कुछ घंटे ऐसे होते हैं जिनमें उसके सुरक्षित मिलने की संभावना सबसे अधिक होती है। यदि पुलिस एफआईआर दर्ज करनेमें समय लगाती है, परिवार को इधर-उधर भेजती है या यह मानकर चलती है कि व्यक्ति स्वयं कहीं चला गया होगा,तो इस दौरान सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन,डिजिटल गतिविधियों रेलवे और बस परिवहन संबंधी सुराग तथा संभावितआरोपियों की पहचान जैसे महत्वपूर्ण साक्ष्य कमजोर हो सकते हैं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का संदेश मूलतः यह है कि पहले तत्काल खोज और जांच शुरू करो, बाद में परिस्थितियों के आधार पर अपराध की प्रकृति निर्धारित करो। साथियों, इस मामले का एक महत्वपूर्ण कानूनी पहलू यह भी है कि अदालत ने एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस) की संबंधित धाराओं तथा अपहरण, तस्करी और अन्य लागू अपराधों से जुड़े कानूनी प्रावधानों को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यदि जांच एजेंसी के पास ठोस कारण हो कि मामला मानव तस्करी से जुड़ा है तो उसे केवल सामान्य मिसिंग- पर्सन इन्वेस्टीगेशन के रूप में लंबित नहीं रखा जा सकता। ऐसी स्थिति में मामले को मानव तस्करी, अपहरण और संबंधित अपराधों से निपटने वाली विशेष इकाई को चार महीने की अवधि पूरी होने का इंतजार किए बिना सौंपने का निर्देश दिया गया है।यह निर्देश जांच की गति को लेकर न्यायपालिका की गंभीरता को दशार्ता है।सुप्रीम कोर्ट ने एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिटस को भी प्रभावी बनाने पर जोर दिया है। केंद्र सरकार, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि संबंधित एंटी -ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिटस निर्धारित अवधि में पूरी तरह कार्यशील हों। इसके साथ ही केंद्र सरकार को देशभर में संबंधित पोर्टलों को आपस में जोड़ने का निर्देश दिया गया है,ताकि एक राज्य में दर्ज मिसिंग-पर्सन या ट्रैफिकिंग संबंधी जानकारी दूसरे राज्य की पुलिस और संबंधित एजेंसियों तक भी तेजी से पहुंच सके। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मानव तस्करी और अपहरण का अपराध किसी जिले या राज्य की सीमा तक सीमित नहीं रहता। अपराधी बच्चे या व्यक्ति को एक राज्य से दूसरे राज्य ले जा सकते हैं और प्रशासनिक सीमाओं का सटीकता से फायदा उठा सकते हैं। साथियों इस मामले की अगली सुनवाई 5 अक्टूबर 2026 को दोपहर 2 बजे निर्धारित की गई है। मामले का शीर्षक जी .गणेश वर्सेज. स्टेट ऑफ तमिल नाडु एंड अदर्स है। इसलिए 11 अगस्त का आदेश केवल तत्काल निर्देश नहीं बल्कि आगे चलने वाली एक व्यापक न्यायिक निगरानी प्रक्रिया का हिस्सा है। अदालत अब यह देखना चाहती है कि उसके आदेशों को कागज पर स्वीकार करने के बजाय राज्यों ने वास्तव में पुलिस व्यवस्था,एंटी -ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिटस एफआईआर प्रणाली, डिजिटल पोर्टलों और अंतरराज्यीय समन्वय में क्या बदलाव किए हैं। साथियों भारत में बच्चों के लापता होने के आंकड़े इस चिंता को और गंभीर बना देते हैं। उपलब्ध एनसीआरबी -आधारित आंकड़ों केअनुसार 2024 में 98,375 बच्चे लापता दर्ज हुए, जबकि 2023 में यह संख्या लगभग 91,296 थी। अर्थात एक वर्ष में लगभग 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 2024 के आंकड़ों में लगभग 75,603 लड़कियां और 22,768 लड़के शामिल थे। औसतन देखें तो यह संख्या लगभग 270 बच्चों प्रतिदिन के बराबर बैठती है। लेकिन यहां एक जरूरी सावधानी है 'मिसिंग' का अर्थ यह नहीं कि सभी बच्चे स्थायी रूप से गायब हो गए। अनेक बच्चे बाद में खोज लिए जाते हैं। वास्तविक चिंता उन बच्चों की है जो लंबे समय तक अनतट्रास्ड रहते हैं और जिनके मामलों में परिवार वर्षों तक जवाब की प्रतीक्षा करता रहता है।लापता बच्चों में लड़कियों की बड़ी संख्या विशेष चिंता का विषय है। इसका अर्थ यह नहीं कि हर मिसिंग गर्ल मानव तस्करी की शिकार है,लेकिन बाल विवाह,यौन शोषण, ट्रैफिकिंग घरेलू हिंसा,प्रेम- संबंध पारिवारिक तनाव, ऑनलाइन संपर्क और अन्य परिस्थितियों के कारण बालिकाओं कीवुलनेराबिलिटी कई मामलों में बढ़ सकती है। इसलिए बच्चा घर से चला गया होगा जैसे सामान्य अनुमान के आधार पर जांच को कमजोर करना गंभीर भूल हो सकती है। प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के आधार पर वैज्ञानिक और संवेदनशील जांच जरूरी है।

संविधान बनाम सत्ता का अहंकार: जब संस्थाएँ मजबूत होने के बजाय व्यक्तियों के इर्द-गिर्द सिमटने लगें

एनके शर्मा
लेखक

लोकतंत्र केवल चुनावों का उत्सव नहीं है। लोकतंत्र उस अदृश्य अनुशासन का नाम है जिसमें सत्ता स्वयं को संविधान से ऊपर मानने का दुस्साहस नहीं करती, संस्थाएँ व्यक्तियों की कृपा पर नहीं बल्कि विधि के शासन पर संचालित होती हैं और नागरिक की स्वतंत्रता किसी शासक की उदारता नहीं, बल्कि उसके संवैधानिक अधिकार के रूप में सुरक्षित रहती है। संविधान राज्य की आत्मा है, जबकि सत्ता उस आत्मा को व्यवहार में अभिव्यक्त करने का माध्यम मात्र। संकट तब जन्म लेता है जब माध्यम स्वयं को उद्देश्य समझ बैठता है और सत्ता संविधान की संरक्षक होने के बजाय उसकी व्याख्याकार, नियंत्रक और अंततः स्वामी बनने का भ्रम पाल लेती है।

भारत का संविधान केवल शासन चलाने की प्रशासनिक पुस्तिका नहीं है। यह उस ऐतिहासिक संकल्प का दस्तावेज है जिसमें व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता, समानता, न्याय और लोकतांत्रिक सहभागिता को राज्य की शक्ति पर वरीयता दी गई। संविधान शासन को शक्ति देता है, लेकिन उसी क्षण उस शक्ति पर सीमाएँ भी आरोपित करता है। यही संवैधानिक लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है—सत्ता को अधिकार मिलता है, परंतु निरंकुशता का अधिकार नहीं मिलता। लेकिन इतिहास का अनुभव बताता है कि लोकतंत्र का सबसे बड़ा खतरा हमेशा लोकतंत्र-विरोधी ताकतों से नहीं आता। कभी-कभी खतरा लोकतांत्रिक व्यवस्था के भीतर से ही पैदा होता है, जब निर्वाचित सत्ता अपनी वैधता को असीमित अधिकार का पर्याय समझने लगती है। चुनाव जीतना जनता का विश्वास प्राप्त करना है, संविधान पर स्वामित्व प्राप्त करना नहीं। बहुमत सरकार बनाने का अधिकार देता है; संविधान बदल देने की मनमानी नहीं। जनादेश शासन करने की अनुमति देता है; संस्थाओं को निजी प्रभाव-क्षेत्र में बदलने का लाइसेंस नहीं। सत्ता का अहंकार अक्सर अचानक दिखाई नहीं देता। वह धीरे-धीरे संस्थागत संस्कृति में प्रवेश करता है। पहले व्यक्ति संस्था से बड़ा दिखाई देने लगता है, फिर संस्था व्यक्ति की इच्छा के अनुसार झुकने लगती है और अंततः ऐसी स्थिति आती है जब प्रश्न पूछना असहमति नहीं, अपराध जैसा प्रतीत कराया जाने लगता है। यही वह बिंदु है जहाँ लोकतंत्र का बाहरी ढाँचा कायम रहते हुए भी उसकी आत्मा क्षीण होने लगती है। किसी लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति उसके शक्तिशाली शासक में नहीं, बल्कि उसकी स्वतंत्र संस्थाओं में निहित होती है।

संसद इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि वहाँ बहुमत किसके पास है; वह इसलिए महत्वपूर्ण है कि वहाँ सत्ता से प्रश्न पूछे जा सकते हैं। न्यायपालिका इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि वह सरकार के निर्णयों को स्वीकार या अस्वीकार करती है; वह इसलिए महत्वपूर्ण है कि नागरिक और राज्य के बीच अंतिम संवैधानिक संतुलन कायम रह सके। मीडिया इसलिए आवश्यक नहीं कि वह सरकार की प्रशंसा करे या आलोचना; उसकी मूल भूमिका सत्ता और समाज के बीच सत्य का सेतु बने रहना है। प्रशासन इसलिए लोकतांत्रिक नहीं हो जाता कि वह निर्वाचित सरकार के आदेशों का पालन करता है; उसकी लोकतांत्रिक वैधता विधि, निष्पक्षता और उत्तरदायित्व से आती है। संस्थाएँ तब कमजोर होती हैं जब उनमें बैठे व्यक्तियों की निष्ठा संविधान से हटकर सत्ता-केंद्रों के प्रति होने लगती है। जब पद की गरिमा व्यक्ति की राजनीतिक निकटता से निर्धारित होने लगे, जब नियुक्तियों और निर्णयों में संस्थागत योग्यता से अधिक कृपापात्रता का प्रभाव दिखाई दे, जब असहमति को विद्रोह और प्रश्न को षड्यंत्र समझा जाने लगे, तब समस्या किसी एक व्यक्ति की नहीं रहती—वह लोकतांत्रिक संस्कृति का संकट बन जाती है। सबसे भयावह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब समाज स्वयं व्यक्तिपूजा को लोकतांत्रिक सफलता का पर्याय मानने लगे। राजनीतिक नेतृत्व के प्रति सम्मान लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन जब नेता की आलोचना राष्ट्र की आलोचना और सत्ता पर प्रश्न उठाना देशद्रोह के समान प्रस्तुत किया जाने लगे, तब नागरिक चेतना का क्षरण आरंभ हो जाता है। लोकतंत्र में राष्ट्र व्यक्ति से बड़ा होता है, संविधान सरकार से बड़ा होता है और नागरिक का अधिकार किसी भी पदाधिकारी की इच्छा से बड़ा होता है। सत्ता का अहंकार केवल राजनीतिक भाषा में नहीं दिखाई देता; उसका प्रभाव संस्थाओं की कार्यप्रणाली में भी दिखाई देता है। जब संसद में विमर्श की जगह शोर ले ले, जब कानून निर्माण पर्याप्त विचार-विमर्श के बिना औपचारिक प्रक्रिया में बदलने लगे, जब प्रशासनिक तंत्र नागरिक के प्रति जवाबदेह होने के बजाय सत्ता के प्रति उत्तरदायी दिखाई दे, जब स्वतंत्र संस्थाओं की विश्वसनीयता पर लगातार प्रश्न उठने लगें और जब मीडिया का एक हिस्सा सत्ता की निगरानी के बजाय सत्ता की छवि-निर्माण परियोजना का हिस्सा बन जाए, तब लोकतंत्र का ढाँचा भले खड़ा रहे, उसकी नींव कमजोर होने लगती है।

गंगा के उफान से खादर के गांवों में बढ़ी दहशत

जलस्तर में 12 सेंटीमीटर गिरावट के बाद भी जलभराव बरकरार, निचले रास्तों से बह रहा पानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। हरिद्वार और बिजनौर बैराज से लगातार पानी छोड़े जाने के कारण गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में गंगा के जलस्तर में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। शनिवार और रविवार को जलस्तर में तेज वृद्धि के बाद सोमवार और मंगलवार को कुल 12 सेंटीमीटर की गिरावट दर्ज की गई, लेकिन इसके बावजूद गंगा खादर क्षेत्र में जलभराव की स्थिति सामान्य नहीं हो सकी है। नदी किनारे बसे कई गांवों के जंगलों और निचले इलाकों में पानी जमा होने से ग्रामीणों में चिंता और दहशत का माहौल बना हुआ है। गंगा का जलस्तर शनिवार और रविवार को बढ़कर 198.68 मीटर तक पहुंच गया था। यह येलो अलर्ट स्तर से महज सात सेंटीमीटर नीचे रहा। इसके बाद सोमवार को पांच सेंटीमीटर और मंगलवार को सात सेंटीमीटर की गिरावट आई। हालांकि जलस्तर में कमी जरूर हुई है, लेकिन इसका असर जलभराव पर अभी स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहा है। शाकरपुर, लठीरा, चक लठीरा, गढ़ावली और गंगानगर समेत कई गांवों के आसपास के जंगलों में पानी जमा है। कई निचले और ढलान वाले रास्तों से पानी सड़क के ऊपर से बहना शुरू हो गया है। हरिद्वार एवं बिजनौर बैराज से लगातार बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण प्रशासन गंगा के जलस्तर पर लगातार नजर रखे हुए है। जलस्तर में होने वाले प्रत्येक उतार-चढ़ाव को देखते हुए संबंधित विभागों की टीमें क्षेत्र में निगरानी कर रही हैं। अधिकारियों द्वारा खादर क्षेत्र के गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को गंगा और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी जा रही है। तहसीलदार पवन यादव ने टीम के साथ कई प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली। प्रशासन की ओर से लोगों को सावधानी बरतने तथा अनावश्यक रूप से जलभराव वाले क्षेत्रों में नहीं जाने की हिदायत दी गई है। गंगा का पानी बढ़ने के बाद खादर क्षेत्र के खेतों और जंगलों में भी जलभराव हो गया है। कई स्थानों पर रास्तों से पानी बहने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव के कारण ग्रामीणों को अपने दैनिक कार्यों के लिए भी अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि गंगा के जलस्तर में थोड़ी गिरावट से राहत की उम्मीद जरूर जगी है, लेकिन जब तक निचले इलाकों और रास्तों से पानी पूरी तरह नहीं निकलता, तब तक परेशानी बनी रहेगी। प्रशासन की टीमें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। जलभराव के कारण अब जलीय जीवों और सांप आदि के गांवों की ओर आने का खतरा भी बढ़ गया है। पानी भरने के बाद ये जीव सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों की तलाश में आबादी की ओर बढ़ सकते हैं। ऐसे में ग्रामीणों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। प्रशासन भी लोगों को जलभराव वाले स्थानों पर सतर्कता बरतने के लिए जागरूक कर रहा है। गंगा के जलस्तर में लगातार हो रहे बदलाव को देखते हुए प्रशासन स्थिति की निगरानी कर रहा है। राजस्व एवं संबंधित विभागों की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर ग्रामीणों से संपर्क कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि जलस्तर में होने वाले बदलाव के अनुसार आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। फिलहाल ग्रामीणों से नदी और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूरी बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन को सूचना देने की अपील की जा रही है।

चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर में उमड़ी मरीजों की भीड़

दर्जा राज्य मंत्री, जिला पंचायत अध्यक्ष और विधायक ने किया शिविर का उद्घाटन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गरुड़। दिनेश नेगी, मोहन सिंह मेहता सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बैजनाथ में चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उदघाटन राज्य दर्जा मंत्री शिव सिंह बिष्ट, बिधायक बागेश्वर पार्वती दास, जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या, ब्लॉक प्रमुख किशन बोरा ने संयुक्त रूप में किया। शिविर में गरुड ब्लॉक के अलावा चमोली जिले के ग्वालदम, थराली, देवाल, कुलसारी से भी लोग पहुंचे। शिविर में कुल ओपीडी 460 पहुँची। साथ दूर दराज क्षेत्रों से आये लोगों के दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए गए। जिसमें आठ आय प्रमाण पत्र ,आठ ई एन टी प्रमाण पत्र ,13 एमआर प्रमाण पत्र ,20 आँखों प्रमाण पत्र, बनाए गये। राज्य दर्जा मंत्री शिव सिंह बिष्ट ने कहा कि चिकित्सा शिविर से क्षेत्र की जनता को स्वास्थ्य लाभ दिलाना उत्तराखण्ड सरकार की पहली प्राथमिकता है। विधायक पार्वती दास ने कहा कि केन्द्र सरकार व राज्य सरकार जन जन तक स्वास्थ्य लाभ देने का कार्य कर रही हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या ने बताया कि ऐसे शिविरों से लोगों को स्वास्थ्य लाभ ही नहीं मिलता बल्कि लोगों के प्रमाण पत्र भी बनाये जाते है। जहां एक ही स्थान में लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होती है। शिविर में ब्लॉक प्रमुख किशन बोरा, जिला महामंत्री भाजपा घनश्याम जोशी, सीएमओ बागेश्वर कुमार आदित्य तिवाड़ी, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील दोसाद, जिपं सदस्य बबलू नेगी, जनार्दन लोहुमी, प्रभारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी डॉक्टर सपना राजपूत, डॉ अशोक कुमार, डॉक्टर बीना तेजन, डॉक्टर अनिल पांडे, डाक्टर रोहित नेगी, आर्थो सर्जन डॉ गिरजा शंकर जोशी सहित क्षेत्रीय जनता मौजूद रही।

बूंदाबांदी से सुहाना हुआ मौसम, उमस भरी गर्मी से मिली राहत

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। मौसम ने मंगलवार को एक बार फिर करवट बदली। सुबह से ही आकाश में बादल छा गए और बूंदाबांदी की शुरूआत हो गई। इसके बाद दिनभर रुक-रुक कर बूंदाबांदी होती रही, जिससे मौसम सुहाना बना रहा और उमस से भी राहत मिली। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में एक-एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने सप्ताह के अंत तक रोजाना बारिश होने का अनुमान जताया है। मंगलवार सुबह से ही आसमान में घने बादलों की आवाजाही बनी रही। सुबह करीब आठ बजे से बूंदाबांदी शुरू हुई, जो दिनभर रुक-रुक कर होती रही। बूंदाबांदी की फुहारों के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मौसम में बदलाव का असर बाजारों और सड़कों पर भी दिखाई दिया। दोपहर के समय आम दिनों की अपेक्षा गर्मी कम महसूस हुई। लोगों ने मौसम का आनंद लिया और घरों से बाहर निकलने में भी राहत महसूस की। मंगलवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहा। सोमवार की तुलना में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में एक-एक डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। हवा की औसत रफ्तार छह किलोमीटर प्रति घंटा रही। वहीं, वातावरण में आर्द्रता 82 फीसदी दर्ज की गई। हल्की बूंदाबांदी के कारण जलभराव की स्थिति नहीं बनी।

खेत में किसान पर तेंदुए का हमला, जांघ पर पंजों के निशान

वन विभाग ने मौके पर पहुंचकर की जांच, ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह

वेलकम इंडिया संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर (हापुड़)। नयागांव इनायतपुर में मंगलवार दोपहर खेत में काम कर रहे किसान नैपाल सिंह पर अचानक जंगली जानवर के हमले से हड़कंप मच गया। किसान के अनुसार हमलावर तेंदुआ था। हमले में उनकी जांघ पर पंजों के निशान आए हैं। घायल किसान को ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार कराया गया। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों में भी दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार नैपाल सिंह मंगलवार दोपहर अपने खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए एक जंगली जानवर ने अचानक उन पर हमला कर दिया। जानवर के पूरी तरह दबोचने से पहले ही नैपाल सिंह उसकी ओर घूम गए, जिससे उनकी जांघ पर पंजों के निशान लग गए। अचानक हुए हमले से किसान घबरा गए और शोर मचाया। किसान की चीख-पुकार सुनकर जानवर मौके से भाग निकला। इसके बाद घायल नैपाल किसी तरह गांव पहुंचे और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। प्रभागीय वन अधिकारी गौतम सिंह और टाइगर गार्जियन भारत भूषण गर्ग ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। टीम ने किसान से घटना के संबंध में जानकारी लेने के साथ ही मौके पर मिले पदचिह्नों की भी जांच की। घायल किसान को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर उन्हें जंगली जानवरों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी। ग्रामीणों से कहा गया कि वे जंगल और खेतों की ओर अकेले न जाएं तथा रात के समय विशेष सावधानी बरतें। साथ ही पशुओं को खुले में नहीं बांधने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि जलभराव और जंगल क्षेत्र में जंगली जीवों की गतिविधियां बढ़ने की संभावना रहती है, इसलिए ग्रामीण सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल वन विभाग को सूचना दें।

वहीं वन रेंजर करन सिंह ने बताया कि किसान की टांग पर मिले निशानों को प्रथम दृष्टया तेंदुए के पंजों के निशान नहीं माना जा सकता। तेंदुए के पंजों के निशान सामान्यतः अधिक गहरे होते हैं। घटना से संबंधित तस्वीरें जांच के लिए आगे भेजी गई हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि किसान पर हमला किस जंगली जानवर ने किया था। फिलहाल वन विभाग की टीम पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और आसपास के क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है।

कुटी मंदिर के पास मोर पकड़ने पहुंचा शिकारी, ग्रामीणों ने दबोचा

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलाना। गांव सौलाना स्थित कुटी मंदिर के पास मंगलवार को जाल लगाकर मोर पकड़ने का प्रयास कर रहे एक व्यक्ति को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी के पास से जाल भी बरामद किया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों में भी चर्चा का माहौल बना रहा। जानकारी के अनुसार गांव निवासी कपिल ने डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी कि कुटी मंदिर के पास एक व्यक्ति जाल लगाकर मोर को पकड़ने का प्रयास कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचने से पहले ही आसपास मौजूद ग्रामीणों ने संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया था। ग्रामीणों ने आरोपी को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने उसके पास मौजूद जाल को भी कब्जे में ले लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान देहरा गांव निवासी ओमकरण के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार पूछताछ में ओमकरण ने बताया कि वह तीतर और बटेर पकड़ने के उद्देश्य से जाल लेकर कुटी मंदिर के पास आया था। इसी दौरान आसपास मौजूद ग्रामीणों की नजर उस पर पड़ गई। ग्रामीणों ने उसे जाल के साथ पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। पुलिस आरोपी को थाने ले गई, जहां उससे घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी पहले भी इस तरह से पक्षियों को पकड़ने का प्रयास करता रहा है या नहीं। सीओ मुनीश चंद्र ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

फुलवाड़ी खाईं धार सड़क संघर्ष समिति का क्रमिक अनशन 19वें दिन भी जारी, सड़क निर्माण शुरू होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

कपकोट। फुलवाड़ी खाईं धार सड़क संघर्ष समिति का सांकेतिक क्रमिक अनशन 19वें दिन भी जारी रहा। आंदोलनरत ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए सरकार और जिला प्रशासन से सड़क निर्माण की स्वीकृति दिलाकर जल्द कार्य शुरू कराने की मांग की। ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक सुरेश गढ़िया से भी सड़क निर्माण को शीघ्र स्वीकृति दिलाने की मांग की। पूर्व में आंदोलन समाप्त कराने के उद्देश्य से विधायक सुरेश गढ़िया आंदोलन स्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि सड़क निर्माण के लिए वन भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया के चलते केंद्र सरकार से स्वीकृति मिलने में विलंब हो रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण को स्वीकृति दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि ग्रामीण सड़क निर्माण का कार्य शुरू होने तक आंदोलन समाप्त करने को तैयार नहीं हुए। वार्ता विफल रहने के बाद ग्रामीण अपनी मांग पर अडिग हैं।

आंदोलनरत ग्रामीणों के समर्थन में वरिष्ठ नागरिक जन कल्याण न्यास ने जिला कार्यालय में प्रदर्शन किया। इसके बाद न्यास पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सड़क निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर कर जल्द काम शुरू कराने की मांग की। न्यास अध्यक्ष दलीप सिंह खेतवाल ने कहा कि सड़क सुविधा के अभाव में ग्रामीण वर्षों से परेशानियों का सामना कर रहे हैं। न्यास से जुड़े चरण सिंह बघरी ने जिलाधिकारी को ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सड़क गांव की खुशहाली और पलायन रोकने के लिए बेहद जरूरी है। बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और मरीजों को सड़क तक पहुंचने के लिए कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण को लेकर कई बार आश्वासन दिए जाने के बावजूद अब तक काम शुरू नहीं हुआ है। ग्रामीण 13 जुलाई से आंदोलनरत हैं। न्यास सदस्यों ने आंदोलन को समर्थन देते हुए मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। साथ ही 21 अगस्त को जिला मुख्यालय में प्रस्तावित आक्रोश रैली को भी समर्थन देने की बात कही। इस दौरान हरीश सोनी, जीवन दानू, करम सिंह दानू सहित अन्य लोग मौजूद रहे। वहीं गांव में आंदोलन कर रहे ग्रामीणों में खीम सिंह ढोक्टी क्रमिक अनशन पर बैठे हैं।

रिठाला में धूमधाम से मनाई भगवान दक्ष प्रजापति जयंती

वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय प्रजापति (कुम्भकार) संघ, दिल्ली प्रदेश शाखा की ओर से रविवार को रिठाला में भगवान दक्ष प्रजापति जयंती समारोह धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में प्रजापति समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भगवान दक्ष प्रजापति को श्रद्धापूर्वक नमन किया। समारोह का शुभारंभ हवन के साथ हुआ। इसके बाद भगवान दक्ष प्रजापति के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। उपस्थित अतिथियों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने भगवान दक्ष प्रजापति के जीवन, आदर्शों और समाज के प्रति उनके योगदान एवं महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि समाज की उन्नति के लिए शिक्षा, संगठन और आपसी भाईचारा बेहद जरूरी है। उन्होंने समाज के युवाओं से शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने तथा सामाजिक एवं राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आह्वान किया। आयोजकों ने कहा कि भगवान दक्ष प्रजापति के आदर्श समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके बताए मार्ग पर चलते हुए समाज को शिक्षा, रोजगार, सामाजिक एकता और विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान संगठन की ओर से समारोह में पहुंचे अतिथियों एवं समाज के गणमान्य लोगों का सम्मान भी किया गया। अंत में उपस्थित लोगों ने समाज की एकता, शिक्षा, रोजगार और प्रगति के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय प्रजापति संघ दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष लखन प्रजापति, युवा अध्यक्ष सतीश प्रजापति, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष देशराज प्रजापति, महावीर सिंह शास्त्री, दिल्ली प्रदेश संगठन मंत्री अनिल प्रजापति, महिला विंग से पुष्पलता प्रजापति एवं सुनीता प्रजापति सहित संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। समारोह में आए सभी मेहमानों का आयोजकों की ओर से सम्मान किया गया।

जनसुनवाई में बारिश के चलते मात्र तीन व्यक्ति ही पहुचे

तीन समस्याओं में से एक समस्या का तत्काल कराया निस्तारण

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। बारिश के कारण आज नगर निगम में जन सुनवाई के दौरान केवल तीन व्यक्ति ही अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जिनमें से पशु पालन विभाग से सम्बंधित एक समस्या का अपर नगरायुक्त प्रदीप कुमार यादव ने तत्काल समाधान करा दिया। विद्युत से सम्बंधित शेष दो समस्याओं के निस्तारण के लिए पथ प्रकाश प्रभारी को कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

वार्ड 02 विजय नगर दिल्ली रोड निवासी कुलदीप कुमार ने आवासीय क्षेत्र में पशुपालन और उसके कारण हो रही परेशानियों की ओर ध्यान दिलाया, जिस पर पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा ने टीम भेजकर समस्या का समाधान करा दिया।

इसके अलावा वार्ड 46 नदीम कॉलोनी निवासी आसिफ ने कॉलोनी की बंद पड़ी लाइटों को ठीक कराने तथा वार्ड 21 टैगोर गॉर्डन पेपर मिल रोड निवासी ऋषिपाल ने भी कॉलोनी की खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिए। जिस पर अपर नगरायुक्त ने पथ प्रकाश प्रभारी को स्थलीय निरीक्षण कर कार्रवाई कराने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सिटी पब्लिक स्कूल में सी आई एच एम पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

विद्यार्थी मेहनत कर लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं: रुश्दी मियां

वेलकम इंडिया/फतेह खान

शुजागंज/अयोध्या। सिटी पब्लिक स्कूल में चौधरी इरशाद हुसैन मेमोरियल स्कॉलरशिप टेस्ट के पुरस्कार वितरण समारोह एवं इन्वेस्टिचर सेरेमनी 2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों के साथ-साथ उनके नेतृत्व कौशल और जिम्मेदारियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में चौधरी इरशाद हुसैन मेमोरियल स्कॉलरशिप टेस्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथियों सैयद अब्बास अली जैदी 'रुश्दी मियां' एवं शाह मसूद हयात गजाली ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत करने तथा अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अस्मा कासिम हुसैन द्वारा इन्वेस्टिचर सेरेमनी संपन्न कराई गई। इस अवसर पर छात्र परिषद चुनाव में निर्वाचित विद्यार्थियों एवं विभिन्न विद्यालयी क्लबों के इंचार्ज विद्यार्थियों को बैज प्रदान कर उनके पद की औपचारिक जिम्मेदारी सौंपी गई। कक्षा 11 के असद खान को हेड बॉय तथा अंशिका यादव को हेड गर्ल घोषित किया गया। दोनों ने अपने पद की गरिमा बनाए रखने तथा विद्यालय के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी एवं निष्ठा से निर्वहन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या श्रीमती अस्मा कासिम हुसैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पद केवल सम्मान का प्रतीक नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, अनुशासन और सेवा का दायित्व भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि सच्चा नेतृत्व दूसरों पर अधिकार जमाने में नहीं, बल्कि उन्हें साथ लेकर आगे बढ़ने और अपने कार्यों से उदाहरण प्रस्तुत करने में है।कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में उपलब्धि, नेतृत्व, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत किया। समारोह का समापन विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाओं के साथ हुआ।

राशन घटतौली के आरोपों पर जोगराजपुर पहुंची जांच करने टीम, नीलम देवी समेत ग्रामीणों के बयान दर्ज

वेलका इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। जोगराजपुर गांव में राशन वितरण के दौरान कार्डधारकों को निर्धारित मात्रा से कम राशन दिए जाने के आरोपों ने अब जांच का रूप ले लिया है। राशन घटतौली को लेकर की गई शिकायत और वायरल ऑडियो के सामने आने के बाद सोमवार को पूरनपुर पूर्ति विभाग की जांच टीम गांव पहुंची। जांच टीम के पहुंचते ही राशन वितरण में कथित अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों में चचाएं तेज हो गईं।

मामले की जांच के लिए सप्लाई इंस्पेक्टर बृजेश कुमार मिश्रा जोगराजपुर पहुंचे। उन्होंने शिकायतकर्ता नीलम देवी समेत अन्य ग्रामीणों से पूरे मामले की जानकारी ली और उनके बयान दर्ज किए। ग्रामीणों ने जांच अधिकारी के सामने राशन वितरण के दौरान कथित तौर पर एक से दो किलो तक कम राशन दिए जाने सहित अन्य शिकायतें रखीं। जांच टीम ने ग्रामीणों से मामले से संबंधित तथ्यों और परिस्थितियों की जानकारी जुटाई। राशन घटतौली के आरोपों के बीच सामने आया वायरल ऑडियो भी मामले में चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार ऑडियो में कोटेदार के कथित बयान को लेकर राशन वितरण में कटौती के आरोपों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि वायरल ऑडियो की सत्यता और उसमें हुई बातचीत की वास्तविकता की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। ऐसे में इसकी प्रमाणिकता की जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।ग्रामीणों का कहना है कि विभागीय जांच में केवल बयान दर्ज करने के बजाय वायरल ऑडियो और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों को भी शामिल किया जाना चाहिए, ताकि पूरे मामले की निष्पक्षता से जांच हो सके।

जांच रिपोर्ट का इंतजार

शिकायतकर्ता नीलम देवी और ग्रामीणों के बयान दर्ज होने के बाद अब सभी की निगाहें पूर्ति विभाग की जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि यदि जांच में राशन की घटतौली या वितरण में किसी प्रकार की अनियमितता की पुष्टि होती है तो संबंधित कोटेदार के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए।फिलहाल जांच टीम द्वारा गांव पहुंचकर बयान दर्ज किए जाने से मामला गंभीर हो गया है। अब जांच रिपोर्ट में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर ही स्पष्ट होगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है और विभाग की ओर से आगे क्या कार्रवाई की जाती है।

देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया, व्यापारियों ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

वेलकम इंडिया पीलीभीत

कलीनगर/पीलीभीत। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मंगलवार को कलीनगर कस्बा देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के आह्वान पर व्यापारियों, नगरवासियों, तहसील प्रशासन और नगर पंचायत की सहभागिता से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से पूरे कस्बे को देशभक्ति के जोश से सराबोर कर दिया।तिरंगा यात्रा का नेतृत्व उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष जावेद सिद्दीकी और महामंत्री रवि गुप्ता ने किया। व्यापारियों को राष्ट्रीय ध्वज वितरित करने के बाद यात्रा मुख्य बाजार से शुरू हुई। यात्रा पंडरा मोहल्ले से होते हुए मेन चौराहे पर पहुंची और इसके बाद तहसील परिसर पहुंचकर समाप्त हुई।यात्रा में व्यापारी, किसान, युवा, बुजुर्ग और नगरवासी उत्साह के साथ शामिल हुए। हाथों में लहराते तिरंगे और देशभक्ति के नारों से कस्बे का माहौल पूरी तरह राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नजर आया। लोगों में तिरंगे को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया।कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख अपूर्व सिंह निर्विकार, एसडीएम प्रमेश कुमार, तहसीलदार वीरेंद्र कुमार, अशोक देवल, राम प्रकाश सक्सेना, नदीम खान, अजीम मंसूरी, ऋषभ गुप्ता, वंश आनंद, तारिक खान, हसनैन अंसारी आदि मौजूद रहे।तिरंगा यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन सतर्क रहा। यात्रा ने कस्बे में देशभक्ति और एकता का संदेश दिया।

खेत में बन रही थी कच्ची शराब, तीन दबोचे

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमरिया/पीलीभीत। थाना अमरिया पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए धान के खेत में अवैध शराब बनाते तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस की कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार करने वालों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार उपनिरीक्षक राजेश कुमार पुलिस फोर्स के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि कस्बे में श्मशान घाट जाने वाले रास्ते पर नवनिर्मित अंडरपास के बराबर स्थित धान के खेत में कुछ लोग अवैध शराब बनाने का काम कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल बताए गए स्थान पर पहुंची और खेत की घेराबंदी कर दी। पुलिस टीम को देखकर वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मौके से अवैध शराब तैयार कर रहे तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान रिजवान, मोहम्मद हुसैन और शकील, निवासी कस्बा अमरिया के रूप में हुई।

पुलिस के मुताबिक तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 10 लीटर अवैध शराब, दो लीटर लहन, एक किलोग्राम यूरिया तथा शराब बनाने के उपकरण बरामद किए गए। मौके पर अवैध शराब तैयार किए जाने की प्रक्रिया चल रही थी। पुलिस ने बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की।थाना पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की और गिरफ्तार तीनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद जेल भेज दिया।पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर अंकुश लगाने की उम्मीद जताई जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अवैध शराब बनाने और बेचने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। गश्त और मुखबिर तंत्र को सक्रिय रखते हुए ऐसे स्थानों को चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी, जहां चोरी-छिपे अवैध शराब का निर्माण किया जा रहा है।

के सी त्यागी के मार्गदर्शन में करेंगे रालोद को और अधिक मजबूत: अवनीश त्यागी

किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव बनाए जाने के बाद अवनीश त्यागी ने वरिष्ठ नेताओं से प्राप्त किया आर्शिवाद

- आरएलडी के वरिष्ठ नेताओं ने संगठन विस्तार और किसानों के हितों के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का दिया

वेलका इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) के किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव मनोनीत होने के उपरांत अवनीश त्यागी ने सांसद एवं राष्ट्रीय लोकदल के संसदीय बोर्ड अध्यक्ष के.सी. त्यागी के आवास पर पहुंचकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा संगठन को मजबूत बनाने और किसानों के हितों के लिए कार्य करने को लेकर मार्गदर्शन लिया। इस अवसर पर सहकारिता प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय महासचिव आभास त्यागी भी उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने वरिष्ठ नेतृत्व से मुलाकात कर संगठन की भावी रणनीतियों, किसान हितों और ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी की मजबूती को लेकर चर्चा की। के.सी. त्यागी ने नवमनोनीत पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोकदल सदैव किसानों, युवाओं और समाज के सभी वर्गों के हितों के लिए संघर्षरत रहा है और पार्टी के कार्यकर्ताओं को इसी भावना के साथ जनता के बीच कार्य करना चाहिए। मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय लोकदल की केंद्रीय टीम के सदस्य अमरीश त्यागी का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। इसके अलावा युवा नेता शांतनु त्यागी, इमरान इलाही तथा संदीप शर्मा डुंडाहेड़ा भी मौजूद रहे। सभी नेताओं ने अवनीश त्यागी को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए संगठन के विस्तार और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। अवनीश त्यागी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, उसका वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि किसान प्रकोष्ठ के माध्यम से किसानों की समस्याओं को सरकार और संगठन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा तथा गांव-गांव तक पार्टी की नीतियों और विचारों को पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित सभी नेताओं ने संगठन की एकजुटता और जनसेवा के संकल्प को दोहराया।

तिरंगे के सम्मान में एकजुट हुआ पूरनपुर, नगर पालिका में हुआ विशेष कार्यक्रम

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर नगर पालिका परिषद पूरनपुर में मंगलवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने नगरवासियों से अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता, उपजिलाधिकारी पूरनपुर मयंक गोस्वामी, तहसीलदार आशीष कुमार गुप्ता, नायब तहसीलदार अभिषेक त्रिपाठी, अधिशासी अधिकारी एजाज अहमद सहित नगर पालिका परिषद के समस्त सभासदगण मौजूद रहे। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करते हुए स्वतंत्रता दिवस के इस अभियान को जनभागीदारी के साथ सफल बनाए। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत अपने- अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। साथ ही राष्ट्रीय ध्वज फहराते समय निर्धारित नियमों एवं उसकी गरिमा का विशेष ध्यान रखने की बात कही गई। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को याद करने का भी दिन है। तिरंगा हमें देश के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। नगर पालिका परिषद की ओर से अभियान को सफल बनाने के लिए नागरिकों से सक्रिय सहयोग की अपील की गई। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने तथा राष्ट्रध्वज के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। इस दौरान नगर क्षेत्र में 'हर घर तिरंगा' अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने पर जोर दिया गया।

नई बसों की मांग के लिए विभागीय स्तर से शुरू हुआ पत्राचार

पीलीभीत। स्थानीय डिपो से करीब चार बसों को नीलाम कर दिया गया है। इसके चलते डिपो पर बसों की संख्या कम हो गई है। विभाग के राजस्व को भी नुकसान हो रहा है। डिपो की अफसरों की ओर से पांच नई बसों के लिए विभागीय स्तर से पत्राचार शुरू कर दिया गया है। स्थानीय डिपो पर पिछले माह तक करीब 111 बसें संचालित थीं, लेकिन समय सीमा पूरी करने वाली चार बसों को मुख्यालय भेज दिया गया है। इससे इन बसों की संख्या घटकर 107 रह गई है। बसों की संख्या कम होने से जहां यात्रियों को डग्गामार वाहनों का सहारा लेना पड़ रहा है। वहीं विभागीय राजस्व को भी रोजाना करीब 50 हजार रुपये का नुकसान हो रहा है। यात्रियों को रोडवेज बसों को लेकर किसी तरह की कोई समस्या न हो। इसको लेकर विभागीय अफसरों की ओर से पांच बसों के लिए पत्राचार शुरू किया गया है। जल्द ही डिपो को नई पांच बसों की सौगात मिल जाएगी।

चंदौई से उठा राष्ट्रप्रेम का संदेश, सभ्यता देवी वर्मा ने तिरंगा यात्रा को दिखाई हरी झंडी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। आजादी के अमृत भाव और राष्ट्रप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकास खंड मरौरी क्षेत्र में तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया गया। विकास खंड मरौरी की प्रशासक सभ्यता देवी वर्मा ने ग्राम चंदौई पहुंचकर तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया। तिरंगा हाथों में लेकर निकली यात्रा ने गांव के माहौल को देशभक्ति के जोश और उत्साह से भर दिया।तिरंगा यात्रा के शुभारंभ अवसर पर प्रशासक सभ्यता देवी वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की एकता, अखंडता, स्वाभिमान और वीरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों और देश के वीर जवानों के बलिदान को याद करते हुए प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि हर घर तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें और स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्रीय पर्व के रूप में पूरे उत्साह के साथ मनाएं।ग्राम चंदौई से शुरू हुई तिरंगा यात्रा में ग्रामीणों और क्षेत्रीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर देश भक्ति के नारों के साथ यात्रा आगे बढ़ी। इस दौरान वातावरण भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंज उठा। ग्रामीणों में तिरंगा यात्रा को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया।सभ्यता देवी वर्मा की अगुवाई में निकली तिरंगा यात्रा का उद्देश्य केवल राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना जागृत करना ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में राष्ट्रप्रेम, एकता और सामाजिक सहभागिता का संदेश पहुंचाना भी रहा। यात्रा के माध्यम से लोगों को स्वतंत्रता दिवस के महत्व और राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा के प्रति जागरूक किया गया। प्रशासक सभ्यता देवी वर्मा ने कहा कि तिरंगा प्रत्येक भारतीय के गौरव और सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभाएं।

घर घेरकर फायरिंग और जानलेवा हमले में मुकदमा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम नवदिया सुल्तानपुर में एक महिला के घर को घेरकर कथित रूप से फायरिंग करने, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आठ नामजद आरोपियों समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र के मुताबिक अमनदीप कौर पत्नी सुखचैन सिंह निवासी ग्राम नवदिया सुल्तानपुर थाना गजरौला ने आरोप लगाया कि 1 जून 2026 की शाम करीब पांच बजे उनके घर पर एक छोटी सी पार्टी चल रही थी। इसी दौरान बंडा क्षेत्र से आए आरोपियों ने उनके घर को घेर लिया और कथित रूप से फायरिंग शुरू कर दी। आरोपियों ने घर के अंदर घुसकर अमनदीप कौर और उनके पुत्र हरप्रीत सिंह के साथ मारपीट की। आरोप है कि रंजीत सिंह ने तमंचे से फायर किया, जबकि अन्य आरोपियों ने भी कथित रूप से जान से मारने की नीयत से फायरिंग की। महिला के अनुसार वह अपने बेटे को बचाने के लिए दौड़ी, जिसके बाद आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। महिला के चीखने- चिल्लाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद आरोपी वहां से चले गए। आरोपियों ने कथित रूप से धमकी दी कि दोबारा मौका मिलने पर महिला और उसके बेटे को जान से मार देंगे। मामले में नामजद आरोपियों में रंजोत सिंह पुत्र मंजीत सिंह निवासी बरी बरा बंडा, मनरूप सिंह पुत्र रंजोत सिंह, कुलवीर सिंह पुत्र जोगेंद्र सिंह, अशप्रीत सिंह पुत्र गुरमेल सिंह निवासी ग्राम नवदिया सुल्तानपुर थाना गजरौला, गुरनाम सिंह उर्फ गामा पुत्र बलविंदर सिंह, गुरजंट सिंह उर्फ जंटी पुत्र बलविंदर सिंह निवासी ग्राम दिलीपपुर इटौरिया-माधोटांडा, सतेंद्र सिंह पुत्र कमलजीत सिंह निवासी ग्राम पिपरिया दुलई, सुखदेव सिंह पुत्र गुरपेज सिंह निवासी ग्राम अभयपुर माधोपुर थाना घुंघचाई, पीलीभीत शामिल हैं। इसके अलावा 09-10 अज्ञात लोगों का भी उल्लेख किया गया है। घटना के बाद महिला के पति ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी थी तथा उसी दिन थाना गजरौला में तहरीर दी गई, लेकिन कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए महिला ने न्यायालय की शरण ली।

न्यायालय के आदेश के बाद थाना गजरौला पुलिस ने मामले में आठ नामजद आरोपियों समेत 9-10 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब शिकायत में लगाए गए आरोपों की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। घटना से संबंधित साक्ष्यों, मौके की परिस्थितियों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों को भी जांच का हिस्सा बनाया जा सकता है। शिकायतकर्ता महिला का आरोप है कि घटना के बाद पुलिस को सूचना देने और थाने में तहरीर देने के बावजूद तत्काल कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद उसने न्यायालय की शरण ली। अब मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस की कार्रवाई पर पीड़ित परिवार की नजर बनी हुई है।

श्रीरामकृष्ण कुंज में हुआ गौड़ीय वैष्णव आचार्य श्रील विश्वनाथ चक्रवर्ती द्वारा रचित 'श्रीस्तवामृत लहरी' ग्रंथ का हुआ विमोचन

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

वृन्दावन। रमण रेती (सुनरख रोड़) स्थित श्रीरामकृष्ण कुंज में गौड़ीय वैष्णव आचार्य श्रील विश्वनाथ चक्रवर्ती रचित 'श्रीस्तवामृत लहरी' ग्रंथ का विमोचन विभिन्न सन्तों, विद्वानों व धमार्चार्यों की पावन सानिध्य में अत्यन्त हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ हुआ। विमोचन समारोह में श्रीपीपापीठाधीश्वर जगद्गुरु बाबा बलराम दास देवाचार्य महाराज, चंद्रोदय मंदिर के प्रमुख अनंतवीर दास महाराज, प्रमुख समाजसेवी एवं इतिहासकार पं कपिल उपाध्याय, धर्मरक्षा संघ के अध्यक्ष सौरभ गौड़, भागवताचार्य अशोक शास्त्री, प्रख्यात साहित्यकार 'यूपी रत्न' डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, हरिप्रिय दास, केशवदेव, श्यामसुंदर दास, दासाभास डॉ. गिरिराज , कालीचरण सिंह, डॉ. राधाकांत शर्मा, हेमांग दास आदि ने समवेत रूप से इस ग्रंथ का विमोचन किया। ज्ञात हो कि विश्वनाथ चक्रवर्ती पाद रचित 'श्री स्तवामृत लहरी' ग्रंथ का हिंदी भाषा में विश्व में प्रथम बार प्रकाशन हुआ है। इस ग्रन्थ का बंगला भाषा से हिंदी में अनुवाद डॉ. भागवत श्यामदास ने किया। उन्होंने बताया कि पूज्य पिताजी ब्रजविभूति श्यामदास द्वारा पूर्व में लगभग सवा सौ ग्रंथों का अनुवाद उन पर टीका और उनका प्रकाशन किया जा चुका है। यह सब प्रकाशन एक अव्यावसायिक संस्थान श्री हरिनाम संकीर्तन मंडल के द्वारा किया जाता है और ग्रंथ विक्रय से प्राप्त होने वाले एक-एक रुपये की राशि पुनः ग्रंथ प्रकाशन में व्यय की जाती है। यह किसी की आजीविका का साधन नहीं है वरन ग्रंथ प्रचार का एक संकल्प है,जिसे वे पूरा कर रहे हैं। इस ग्रंथ में निकुंज लीला के बड़े मनोहर विशुद्ध भक्ति परक और निकुंज लीला के 28 स्तव हैं। जो अब तक देवनागरी लिपि में अनुपलब्ध थे।

कथा व्यास डॉक्टर अच्युत लाल भट्ट ने बताया की गौड़ीय संप्रदाय में स्तव लेखन की परंपरा बहुत ही प्राचीन है।सभी षडगोस्वामियों के द्वारा रचित ऐसे स्तव ग्रंथ उपलब्ध होते हैं। यह सौभाग्य की बात है कि इन अनुपलब्ध ग्रंथों का हिंदी में प्रकाशन श्रीहरिनाम संकीर्तन मंडल के द्वारा किया जा रहा है। श्रीपीपापीठाधीश्वर जगद्गुरु बाबा बलराम दास देवाचार्य महाराज एवं चंद्रोदय मंदिर के प्रमुख अनंतवीर दास महाराज ने कहा कि प्राचीन ग्रंथ अति महत्वपूर्ण हैं। इनका संरक्षण और प्रकाशन साक्षात भगवान की सेवा है। प्रख्यात साहित्यकार रूयूपी रत्नरू डॉ. गोपाल चतुर्वेदी एवं धर्म रक्षा संघ के अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने कहा कि हरिनाम प्रेस से विगत 60 वर्षों से धार्मिक ग्रंथ प्रकाशित किये जा रहे हैं। जो बहुत महत्व की बात है। इन आध्यात्मिक और भक्ति ग्रंथों का प्रकाशन सनातन धर्म की रक्षा हेतु एक आवश्यक प्रकल्प है। इस अवसर पर साध्वी ज्योत्स्ना दीदी, राधिका, श्रुति, श्रेया, अनुपमा, दीपक दास, रामहंस दास, गोपाल दास, पुंडरीक दास, सूत्रधार शिवा, राधेश्याम दास बाबा, सनत बाबा, हरिशरण दास, डॉ खेडेकर, शांतनु, विजय कुमार आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। दासाभास गिरिराज ने सभी अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया और धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भागवत श्यामदास ने किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संतकबीरनगर को 684 करोड़ रूपये की 201 विकास परियोजनाओं की दी सौगात

भयमुक्त माहौल में हो रहा विकास: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। श्रावण मास की शिवरात्रि के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संतकबीरनगर के मान्यवर कांशीराम स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विधानसभा खलीलाबाद एवं मेंहदावल क्षेत्र के विकास के लिए 684 करोड़ रुपये से अधिक की 201 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र की 361 करोड़ रुपये से अधिक की 116 परियोजनाएं तथा मेंहदावल विधानसभा क्षेत्र की 322 करोड़ रुपये से अधिक की 85 परियोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में जनपदवासियों को श्रावण मास की शिवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार संतकबीरनगर के विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर, चिकित्सा, सड़क, शिक्षा और जनकल्याण के क्षेत्र में जिले के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बाबा तामेश्वरनाथ धाम कॉरिडोर के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि इसे भव्य स्वरूप दिया जाएगा और कॉरिडोर के विकास में किसी का अहित नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने बाबा बैजनाथ धाम मंदिर के जीर्णोद्धार से संबंधित कार्यों का प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने भविष्य में संतकबीरनगर में विकास प्राधिकरण बनाए जाने तथा 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन मेडिकल कॉलेज' के तहत जिले को आच्छादित करने की योजना पर विचार किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि संत कबीर दास की धरती का नाम हमें समर्पण, साफ नीयत और ईमानदारी के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। कबीर दास ने जाति-पाति और आडंबर का विरोध करते हुए समाज को नई दिशा दिखाई। उनके विचार आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में अराजकता और भय का माहौल था, जिसका खामियाजा प्रदेश के नौजवानों को भुगतना पड़ता था। आज प्रदेश में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बेहतर हुई है और व्यापारी, नौजवान तथा आम नागरिक भयमुक्त वातावरण में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ किए गए प्रयासों से ही अच्छे परिणाम सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एम्स, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, मैनेजमेंट कॉलेज, सूचना प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप से जुड़े क्षेत्रों में लगातार काम हुआ है। सरकार विकास के प्रत्येक क्षेत्र में जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कार्य कर रही है और युवाओं तथा उनकी प्रतिभा के साथ किसी भी स्तर पर अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई विकास प्रदर्शनी एवं स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान उद्योग, एनआरएलएम, कृषि सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, लैपटॉप एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, विधायक खलीलाबाद अंकुर राज तिवारी, विधायक मेंहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी, विधायक धनघटा गणेश चंद्र चौहान, विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश, संतोष सिंह, भाजपा जिला प्रभारी अजय सिंह गौतम, जिलाध्यक्ष नीतू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर विधायक अंकुर राज तिवारी ने मुख्यमंत्री को भगवान शिव की प्रतिमा तथा जिलाधिकारी आलोक कुमार एवं पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने राधा-कृष्ण की प्रतिमा स्मृति चिह्न के रूप में भेंट की। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, लाभार्थी, अधिकारी एवं आम नागरिक कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

684 करोड़ रूपये की दी सौगात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संतकबीरनगर को विकास की बड़ी सौगात देते हुए खलीलाबाद एवं मेंहदावल विधानसभा क्षेत्रों के लिए 684 करोड़ रुपये से अधिक की 201 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र की 361 करोड़ रुपये से अधिक की 116 परियोजनाएं तथा मेंहदावल क्षेत्र की 322 करोड़ रुपये से अधिक की 85 परियोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतकबीरनगर में सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, इंफ्रास्ट्रक्चर और जनकल्याण से जुड़े विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक क्षेत्र में विकास को गति देकर आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है।

तामेश्वरनाथ धाम सजेगा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा तामेश्वरनाथ धाम कॉरिडोर को भव्य स्वरूप देने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि कॉरिडोर के विकास में किसी का अहित नहीं होने दिया जाएगा और विकास के साथ जनभावनाओं का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने बाबा बैजनाथ धाम मंदिर के जीर्णोद्धार से संबंधित प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संतकबीरनगर में भविष्य में विकास प्राधिकरण बनाए जाने तथा ह्यवन डिस्ट्रिक्ट–वन मेडिकल कॉलेजह्न योजना के तहत जिले को आच्छादित करने की संभावनाओं पर भी विचार किया जाएगा। इन योजनाओं से धार्मिक पर्यटन, स्वास्थ्य सुविधाओं और समग्र विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

भयमुक्त हुआ अपना उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में अराजकता और भय का माहौल था, जिसका सबसे अधिक असर व्यापारियों और युवाओं पर पड़ता था। आज प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और व्यापारी, नौजवान तथा आम नागरिक भयमुक्त वातावरण में अपना कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और जीरो टॉलरेंस नीति के कारण विकास कार्यों को गति मिली है। प्रदेश में एम्स, मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट कॉलेज, सूचना प्रौद्योगिकी तथा स्टार्टअप के क्षेत्र में लगातार विस्तार हुआ है। सरकार युवाओं की प्रतिभा के साथ किसी भी स्तर पर अन्याय नहीं होने देगी और विकास की प्रक्रिया को आगे भी निरंतर जारी रखा जाएगा।

चमोली में बेली ब्रिज बहने के बाद मुख्यमंत्री ने संभाली कमान

राहत-बचाव, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और कनेक्टिविटी बहाली को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। चमोली जनपद के ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग पर तमकनाला में अत्यधिक जलप्रवाह के कारण बीआरटीएफ, सुराईथोटा द्वारा निर्मित बेली ब्रिज बहने की घटना के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी चमोली और मंडलायुक्त गढ़वाल से स्थिति की जानकारी लेते हुए राहत-बचाव कार्यों, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और कनेक्टिविटी बहाली को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में राशन, खाद्य सामग्री, दवाइयों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति किसी भी स्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए। जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों और अन्य उपलब्ध माध्यमों से ग्रामीणों तक जरूरी सामग्री पहुंचाई जाए। उन्होंने ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग पर आवाजाही जल्द बहाल करने के लिए सभी संभावित विकल्पों पर तत्काल काम करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति और नुकसान का स्वयं आकलन करने के निर्देश दिए, ताकि राहत एवं पुनर्व्यवस्था के कार्यों में देरी न हो। बदलते मौसम और बढ़ते जलप्रवाह को देखते हुए निचले क्षेत्रों तथा नदी-नालों के आसपास विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने और आवश्यकता पड़ने पर लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) से चमोली सहित प्रदेश के सभी संवेदनशील क्षेत्रों पर 24 घंटे नजर रखी जा रही है। जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में राहत एवं बचाव दलों को तत्काल सक्रिय किया जा सके।

तमकनाला में अचानक जलप्रवाह बढ़ने से बेली ब्रिज बह गया था। तेज बहाव की चपेट में एक व्यक्ति और एक कैंपर वाहन के बहने की सूचना भी मिली थी। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने तत्काल संज्ञान लेकर सचिव, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और राहत-बचाव कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें घटनास्थल के लिए रवाना की गईं, जबकि स्थानीय प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभागों की टीमें भी मौके पर राहत-बचाव कार्यों में जुटी हैं। सरकार की प्राथमिकता प्रभावित क्षेत्रों में राहत-बचाव के साथ आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति, वैकल्पिक कनेक्टिविटी और आवाजाही की जल्द बहाली सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कठिन परिस्थितियों में प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना और प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र सामान्य स्थिति बहाल करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भाजपा खिर्सू मंडल की बैठक में आगामी कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक गतिविधियों पर हुयी अहम चर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। भाजपा खिर्सू मंडल की आगामी कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर बैठक आयोजित की गयी। बैठक में कैबिनेट मंत्री डॉ. धनसिंह रावत ने प्रतिभाग किया। उन्होंने बैठक में आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों, संगठन की सक्रियता तथा कार्यकताओं की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा की। साथ ही आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकताओं से एकजुटता एवं समर्पण के साथ जुटने का आह्वान किया। डॉ. रावत ने कहा कि भाजपा के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाना हमारा लक्ष्य है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष कमल किशोर रावत, मंडल अध्यक्ष मीना गैरोला समेत वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

थाना पट्टी पुलिस ने मोबाइल छिनैती की घटना का किया खुलासा, दो मोबाइल बरामद, आरोपी युवक गिरफ्तार

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली पुलिस ने पृथ्वीगंज बाजार के पास हुई मोबाइल छिनैती की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से छीन लिया गया सैमसंग मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 25 जून को ग्राम धनगढ़ सराय छिवलहा निवासी एक व्यक्ति पृथ्वीगंज बाजार से साइकिल पर सवार होकर अपने घर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से बाइक पर सवार तीन युवक आए और रास्ते में उसका सैमसंग मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। घटना के संबंध में पीड़ित की शिकायत पर थाना पट्टी में मुकदमा संख्या 279/2026 के तहत धारा 304(2) बीएनएस में अभियोग दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी क्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद पाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए श्रीनाथपुर निवासी 20 वर्षीय अभय सरोज को भरोखन रोड स्थित पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में छीना गया मोबाइल फोन भी बरामद किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह लिफ्ट लेकर बाइक पर बैठा था। इसी दौरान लालच में आकर उसने मोबाइल फोन छीन लिया। पुलिस आरोपी से घटना में शामिल अन्य लोगों के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सिलेंडर से गैस चोरी कर उपभोक्ताओं को कम वजन वाले सिलेंडर पहुंचाने वाले गिरफ्तार

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। थाना कोतवाली (देहात) पुलिस ने गैस सिलेंडर को ग्राहकों तक पहुंचने से पहले ही सिलेन्डर से तीन चार किलो गैस निकाल फिर सप्लाई देने वाले पाच चोरो को पकडने मे बडी सफलता प्राप्त की है। जनपद की देहात कोतवाली के कोतवाल पुष्पराज सिंह की टीम ने दो पिकअप से 96 सिलेंडर बरामद किए, जिनमें 12 सिलेन्डर खाली बरामद किए। जांच में पता चला कि पकडे गये पाचो व्यक्ति एजेंसी से पूरे वजन के सिलेंडर उठाते थे और रास्ते में गैस की कटिंग कर तीन चार किलो गैस निलाल खाली सिलेन्डर मे भर लेने के बाद कम वजन वाले सिलेन्डर वास्तविक उपभोक्ता को सप्लाई कर देते थे। जनपद की कटरा मेदनीगज की सौरभ गैस एजेन्सी के कुछ कर्मचारियों के साथ है अन्य कुछ एजेन्सियो के कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से गैस निकाल दूसरे खाली सिलेन्डर मे ट्रासफर करने के इन्सट्रूमेन्ट बरामद कर पुलिस अब इस जांच मे जुटी है कि आखिर सिलेन्डर से गैस निकाल उपभोक्ता के हक को चुराने वालो का ये खेल आखिर कब से चल रहा था।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित बाल अपचारी निरुद्ध

दुधारा पुलिस ने कार्रवाई कर किशोर न्यायालय भेजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। थाना दुधारा पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में वांछित बाल अपचारी को निरुद्ध कर किशोर न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई थाना दुधारा में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 327/2026 से संबंधित है। मामले में बीएनएस की संबंधित धाराओं के साथ पॉक्सो एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था।

थानाध्यक्ष अमित कुशवाहा, उपनिरीक्षक शोभनाथ तथा हेड कांस्टेबल जयचंद्र कनौजिया की पुलिस टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए वांछित बाल अपचारी को निरुद्ध किया। पुलिस टीम काफी समय से मामले में वांछित बाल अपचारी की तलाश कर रही थी। कार्रवाई के बाद उसे नियमानुसार किशोर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस के अनुसार वादिनी ने 4 अगस्त 2026 को थाना दुधारा में प्रार्थना पत्र देकर अपनी नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगाया था। प्रार्थना पत्र के आधार पर पुलिस ने बाल अपचारी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों एवं अन्य तथ्यों के आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ाई और वांछित बाल अपचारी को निरुद्ध कर लिया। पुलिस ने बताया कि प्रकरण में नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

रोटरी क्लब वाराणसी एलीट के अध्यक्ष बने ऋषि देव अग्रवाल

सीए गौरव अग्रवाल ने सचिव और ई. अमर अग्रवाल ने कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। रोटरी क्लब वाराणसी एलीट का 24वां इंस्टॉलेशन एवं चार्टर समारोह मलदहिया स्थित होटल हिंदुस्तान इंटरनेशनल में गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ। समारोह में रोटेरियन ऋषि देव अग्रवाल ने वर्ष 2026-27 के लिए क्लब के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। उनके साथ नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भी अपने-अपने दायित्वों की शपथ लेकर कार्यभार ग्रहण किया। समारोह के मुख्य अतिथि रोटेरियन दिनेश गर्ग (डीजीई) एवं अन्य अतिथियों ने नवनियुक्त टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने रोटरी की सेवा भावना को समाज के अधिक से अधिक वर्गों तक पहुंचाने का आह्वान किया। वर्ष 2026-27 की नई टीम में रोटेरियन ऋषि देव अग्रवाल अध्यक्ष, रोटेरियन रोहित गुप्ता सचिव एवं रोटेरियन अविरल अग्रवाल कोषाध्यक्ष शामिल हैं। क्लब की नई कार्यकारिणी में आईपीडीजी डॉ. आशुतोष अग्रवाल, पीडीजी उत्तम अग्रवाल, क्लब ट्रेनर पीयूष अग्रवाल, इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट प्रदीप अग्रवाल तथा वाइस प्रेसिडेंट अभिषेक केशरी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। क्लब एग्जीक्यूटिव सेक्रेटरी/आईटी चेयरपर्सन अर्चित अग्रवाल, फाउंडेशन चेयरपर्सन केशव जी जालान, मेंबरशिप चेयरपर्सन अनूप अग्रवाल, पब्लिक इमेज चेयरपर्सन पुष्कर श्रीवास्तव, सर्जेंट-एट-आर्म्स ऋषि बंसल, क्लब सर्विस प्रोजेक्ट चेयरपर्सन प्रीतम माणिक, पीआरओ नवल मद्धेशिया तथा हेल्थ कैंप चेयरपर्सन राहुल वर्मा को भी जिम्मेदारी दी गई है। क्लब विजन एक्टिविटीज की जिम्मेदारी अनिल कुमार मित्तल, सोशल वर्क चेयरपर्सन की जिम्मेदारी राकेश गुप्ता तथा फैमिली मीट चेयरपर्सन की जिम्मेदारी गौरव अग्रवाल (तुलसी पंप) को सौंपी गई। क्लब के डायरेक्टर्स के रूप में पंकज श्रीवास्तव, सौमित्र अग्रवाल, सीए गौरव अग्रवाल, अमर अग्रवाल एवं अजय अग्रवाल अपनी भूमिका निभाएंगे। नवनियुक्त अध्यक्ष रोटेरियन ऋषि देव अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2026-27 में रोटरी क्लब वाराणसी एलीट का मुख्य उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सेवा कार्यों को और प्रभावी ढंग से पहुंचाना रहेगा। सामाजिक सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों को प्राथमिकता देगा। उन्होंने कहा कि 'क्रिएट लास्टिंग इम्पैक्ट' की भावना के साथ ऐसे कार्य किए जाएंगे, जिनका समाज पर दीर्घकालिक और सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे। समारोह में वर्ष 2025-26 की टीम के अध्यक्ष रोटेरियन प्रदीप अग्रवाल, सचिव रोटेरियन सीए गौरव अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष रोटेरियन ई. अमर अग्रवाल के कार्यकाल में किए गए सेवा कार्यों की भी सराहना की गई। कार्यक्रम में रोटरी क्लब वाराणसी एलीट के पदाधिकारी, सदस्य, पूर्व पदाधिकारी एवं गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। समारोह के दौरान आगामी कार्यकाल की सेवा परियोजनाओं और सामाजिक गतिविधियों को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। नई टीम के नेतृत्व में क्लब ने समाजसेवा एवं जनकल्याण के क्षेत्र में अपनी गतिविधियों को और व्यापक बनाने का संकल्प लिया।

सितापोखरी बाजार में व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

व्यापारी एकता की गूंजी हुंकार, सम्मान और सुरक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष का संकल्प

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

चंदौली। सितापोखरी बाजार में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल (रजि.) के बैनर तले व्यापार मंडल सितापोखरी का शपथ ग्रहण समारोह धूमधाम एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बाजार के बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया। इस दौरान 'व्यापारी एकता जिंदाबाद' और 'व्यापार मंडल जिंदाबाद' के नारों से पूरा बाजार गूंज उठा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकान्त अग्रहरि का पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। सितापोखरी व्यापार मंडल के अध्यक्ष जयप्रकाश यादव ने अपने पदाधिकारियों के साथ अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकान्त अग्रहरि ने अध्यक्ष सहित नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं दायित्व की शपथ दिलाई। समारोह को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकान्त अग्रहरि ने कहा कि जिले के सभी छोटे-बड़े बाजारों के व्यापारियों को व्यापार मंडल से जोड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य व्यापारियों के सम्मान, सुरक्षा और राजनीतिक अधिकारों की मजबूती के लिए एकजुट होकर संघर्ष करना है। उन्होंने व्यापारियों का आह्वान किया कि वे एकजुट होकर व्यापारियों के उत्पीड़न और शोषण का विरोध करें। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यापारी के साथ ज्यादती या अराजकता होने पर व्यापारी एकता के साथ उसका सामना किया जाएगा तथा पुलिस-प्रशासन को तत्काल सूचना दी जाएगी।

अग्रहरि ने कहा कि व्यापारी अपनी मेहनत से अर्जित धन से सरकार को टैक्स देते हैं और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। व्यापारियों के प्रतिष्ठानों से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलता है और आपदा या राष्ट्र की आवश्यकता के समय व्यापारी समाज हमेशा आगे बढ़कर सहयोग करता है। ऐसे में व्यापारियों को सम्मान, सुरक्षा और राजनीतिक अधिकार मिलना उनका हक है। प्रदेश मंत्री चंद्रेश्वर जायसवाल ने कहा कि जिले के लगभग सभी छोटे-बड़े बाजारों में व्यापार मंडल का गठन मजबूत तरीके से किया जा रहा है। व्यापारियों की समस्याओं को लेकर व्यापार मंडल और प्रशासन के बीच सुरक्षा बैठकों के माध्यम से समाधान कराने का प्रयास किया जा रहा है। वरिष्ठ जिला महामंत्री राकेश मोदनवाल ने कहा कि जिलाध्यक्ष द्वारा पूरे जिले के व्यापारियों को एक मंच पर लाने का कार्य सराहनीय है।

पेंशनर्स एसोसिएशन ने सात सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

रेलवे अधिकारी ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का दिया आश्वासन, ओपीएस व फैमिली पेंशन मामलों के निस्तारण के निर्देश

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

गोरखपुर/वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन के महामंत्री मुन्नीलाल गुप्ता के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 10 अगस्त 2026 को प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार से मुलाकात कर सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में भानु प्रकाश नारायण, पुरुषोत्तम सिंह, राजन कुमार और यदुवंश शुक्ला शामिल रहे। ज्ञापन में पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा भेजे गए पत्रों का रेलवे बोर्ड के निर्देशों के बावजूद जवाब नहीं दिए जाने, मैन्युअल पास संबंधी सर्कुलर जारी नहीं होने, सेवानिवृत्ति के समय ओवर पेमेंट की अचानक कटौती, पात्र होने के बावजूद एनपीएस से जुड़े अनुसूचित जाति के पेंशनरों को ओपीएस का लाभ नहीं मिलने, हेल्थ सर्विसेज कमिटी का गठन नहीं होने तथा अविवाहित पुत्री को फैमिली पेंशन दिए जाने के लंबित मामलों का मुद्दा उठाया गया। बताया गया कि यह ज्ञापन दो दिन बाद प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन के संबंध में प्रशासन को दिए जाने वाला नोटिस भी था। प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रत्येक मांग पर चर्चा की। उन्होंने एसोसिएशन के पत्रों का जवाब देने का आश्वासन दिया। मैन्युअल पास संबंधी सर्कुलर तत्काल जारी करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए गए। ओवर पेमेंट की कटौती के मामले में भविष्य में इस प्रकार की कटौती नहीं किए जाने की बात कही गई। हेल्थ सर्विसेज कमिटी के गठन की प्रक्रिया चलने की जानकारी दी गई। वहीं अवधेश कुमार चौधरी के ओपीएस प्रकरण तथा अविवाहित पुत्री की लंबित फैमिली पेंशन के मामलों को तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए गए। ज्ञापन सौंपने के दौरान एसोसिएशन के सैकड़ों सदस्य प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी कार्यालय के सामने एकत्र हुए और एकजुटता का परिचय दिया। सदस्यों ने मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। महामंत्री मुन्नीलाल गुप्ता ने कहा कि ज्ञापन की प्रति महाप्रबंधक को भी सौंपी जाएगी। समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं होने पर बड़े स्तर पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान मीडिया कर्मियों और समाचार पत्रों के संवाददाताओं की मौजूदगी भी रहेगी। यह जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन वाराणसी मंडल के मंडल अध्यक्ष प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने दी।

जय श्री राम सेना संगठन के कांवरिया सेवा शिविर में पांच हजार से अधिक कांवरियों की सेवा

बारह घंटे तक चला सेवा कार्य, फलाहार, भोजन, प्राथमिक उपचार और विश्राम की सुविधा उपलब्ध कराई

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। सावन मास के पावन अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जय श्री राम सेना संगठन वाराणसी की ओर से आकाशवाणी, महमूरगंज-रथयात्रा मार्ग पर कांवरिया सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में काशी पहुंचे पांच हजार से अधिक कांवरियों एवं शिव भक्तों को निशुल्क फलाहार, भोजन, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड), आश्रय स्थल सहित विभिन्न आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। संगठन की ओर से करीब 12 घंटे तक लगातार सेवा कार्य चलाया गया। सेवा शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा विधिवत किया गया। इस अवसर पर श्रृंगेरी मठ के प्रबंधक स्वामी चल्ला अन्नपूर्णा प्रसाद एवं वाराणसी जिला एवं सत्र न्यायालय तथा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. संजय कुमार श्रीवास्तव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि सावन में काशी पहुंचने वाले कांवरियों एवं शिव भक्तों की सेवा करना पुण्य के साथ-साथ सामाजिक दायित्व भी है। ऐसे सेवा कार्यों से श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान काफी सुविधा मिलती है। शिविर में देर शाम तक संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता कांवरियों एवं शिव भक्तों की सेवा में जुटे रहे। फलाहार एवं भोजन वितरण के साथ जरूरतमंद श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार तथा विश्राम की सुविधा भी प्रदान की गई। संगठन के कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखते हुए उनकी यात्रा को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने का प्रयास किया। इस अवसर पर जय श्री राम सेना संगठन के जिलाध्यक्ष रामदूत पुष्पेंद्र शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष तरुण श्रीवास्तव, संगठन सह कोषाध्यक्ष आदर्श यादव धैर्य, अनुज शर्मा, तनमय, अखिलेश, आयुष, शिवम सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ककरमत्ता की ऐतिहासिक पोखरी का होगा कायाकल्प

महापौर व राज्य मंत्री ने लिया पुनरुद्धार कार्यों का जायजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। बीएलडब्ल्यू रोड स्थित ककरमत्ता की ऐतिहासिक पोखरी जल्द ही काशी के प्रमुख पर्यटन केंद्र और आकर्षक पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित होती नजर आएगी। मंगलवार को महापौर अशोक कुमार तिवारी एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने पोखरी का स्थलीय निरीक्षण कर चल रहे पुनरुद्धार कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और पोखरी को बेहतर स्वरूप देने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। नगर निगम ने करीब 38 वर्षों से चले आ रहे विवाद का समाधान कराकर लगभग 1.5 बीघा क्षेत्र में फैली इस बेशकीमती सरकारी संपत्ति को अवैध कब्जे से मुक्त कराया है। नगर निगम के अनुसार इस जमीन की कीमत करीब 100 करोड़ रुपये बताई जा रही है। अब पोखरी को उसके मूल स्वरूप में लाकर एक सुंदर, स्वच्छ और हरे-भरे स्थल के रूप में विकसित करने की योजना है। बताया गया कि लंबे समय से उपेक्षित रहने के कारण ऐतिहासिक पोखरी में कूड़ा-कचरा डालकर इसे पाटने का प्रयास किया गया था। अब नगर निगम ने पोखरी को नया जीवन देने के लिए बड़े स्तर पर अभियान शुरू किया है। मौके पर जेसीबी, पोकलैंड, डंपर और हाइवा जैसी मशीनों की मदद से सफाई एवं गहरीकरण का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। पुनरुद्धार के बाद यहां लोगों के लिए आकर्षक एवं आधुनिक सुविधाएं विकसित करने की योजना है, जिससे स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ पर्यटकों को भी बेहतर वातावरण मिल सके। निरीक्षण के दौरान अतुल पांडे सहित नगर निगम के कई अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

काशी में होगा रोटरी सदस्यता का महाकुंभ, 1000 से अधिक रोटेरियन होंगे शामिल

'आधारशिला' बहुमंडलीय सम्मेलन में सेवा, नेतृत्व, नवाचार और संगठन विस्तार पर होगा मंथन

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। भारत की सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी 12 अगस्त बुधवार को रोटरी के एक महत्वपूर्ण आयोजन की साक्षी बनने जा रही है। रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल के आतिथ्य में सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में रोटरी बहुमंडलीय सम्मेलन 'आधारशिला' का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों एवं नेपाल से 1000 से अधिक रोटेरियन एवं पदाधिकारी शामिल होंगे। कार्यक्रम में रोटरी इंटरनेशनल के अध्यक्ष नाइजीरिया निवासी रो. ओलायिंका बाबालोला की गरिमामयी उपस्थिति विशेष आकर्षण रहेगी। 11 अगस्त को महमूरगंज स्थित एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में रोटरी मंडलाध्यक्ष रो. पूनम गुलाटी एवं रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल की अध्यक्ष रो. डॉ. रितु गर्ग ने सम्मेलन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ह्यआधारशिलाह्ण केवल सदस्यता बढ़ाने वाला सम्मेलन नहीं, बल्कि रोटरी की सेवा भावना, नेतृत्व, नवाचार और संगठनात्मक विस्तार को नई दिशा देने वाला प्रेरक मंच होगा। उन्होंने कहा कि रोटरी का उद्देश्य केवल सदस्य संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि ऐसे समर्पित एवं सक्रिय नेतृत्व का निर्माण करना है, जो समाज की जरूरतों के अनुरूप प्रभावी सेवा परियोजनाओं को गति दे सके।

सम्मेलन में रोटरी के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं निदेशक रो. मुरूगनंदम, निदेशक निर्वाचित रो. बासुदेव गोल्यान, क्षेत्रीय समन्वयक रो. डॉ. प्रमोद कुमार, संजय गिरी, पांच रोटरी मंडलों के मंडलाध्यक्ष, अनेक पूर्व मंडलाध्यक्ष तथा मंडल इंटरसिटी चेयरमैन रो. अभिषेक वर्मा सहित उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा एवं नेपाल से रोटरी सदस्य और पदाधिकारी सहभागिता करेंगे। रोटरी के विश्वव्यापी सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए पूनम गुलाटी ने बताया कि रोटरी करीब 200 देशों में 12 लाख सदस्यों के माध्यम से विभिन्न सेवा गतिविधियां संचालित कर रहा है। पोलियो उन्मूलन रोटरी के प्रमुख वैश्विक अभियानों में शामिल है। रोटरेक्ट और इंटरैक्ट जैसी युवा शाखाओं के माध्यम से भी बड़ी संख्या में युवा सामाजिक सेवा से जुड़े हैं। वाराणसी में 28 रोटरी क्लबों के माध्यम से 1500 से अधिक सदस्य विभिन्न सेवा कार्यों में सक्रिय हैं।

आयोजन समिति के अध्यक्ष रो. मनोज जाजोदिया एवं आयोजन सचिव रो. अजय गौतम ने बताया कि सम्मेलन में रोटरी के मूल उद्देश्यों, प्रभावी सदस्यता विकास, सदस्य संरक्षण, युवा नेतृत्व, नवाचार और सेवा परियोजनाओं के विस्तार पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रतिभागियों को रोटरी की नवीन कार्यप्रणालियों, सफल मॉडलों और श्रेष्ठ अनुभवों से परिचित कराया जाएगा, जिससे वे अपने-अपने क्लबों को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बना सकें। आयोजन को सफल बनाने के लिए रोटरी सेंट्रल के 70 अनुभवी सदस्यों एवं पदाधिकारियों के नेतृत्व में आयोजन समिति गठित की गई है। इसमें संरक्षक रो. दिनेश गर्ग, सलाहकार अनिल के. जाजोदिया, कोषाध्यक्ष सोमदत्त रघु, क्लब सचिव ललित गुप्ता, रवि कुमार सिंह, सह संयोजक संजय गुप्ता, अविनाश मेहरोत्रा, शिशिर उपाध्याय, पंजीकरण प्रभारी राजेंद्र मोहन साह, मनीष लोहिया, प्रदीप अग्रवाल, जीवन खन्ना, शिशिर बाजपेयी, पंकज अग्रवाल, रोहित खेमका, सीमा अग्रवाल, सीपी सिंह, ज्ञानेंद्र उपाध्याय, सतीश बजाज एवं कुमार किसलय सहित अनेक सदस्य जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं।

भाजपाजनों ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

पार्थ चेतना टुडे/संदीप तिवारी

वाराणसी/मिजार्मुराद। हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंगलवार को चौबेपुर मंडल में भाजपाजनों ने भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं अजगरा विधानसभा संयोजक अखंड प्रताप सिंह के नेतृत्व में छितमपुर स्थित चंद्रशेखर सिंह नेशनल कालेज से हाथों में तिरंगा झंडा लेकर निकले भाजपा कार्यकर्ता वंदे मातरम एवं भारत माता की जयकारा लगाते हुए म्यूजिक सिस्टम संग चौबेपुर कस्बा तक पहुंचे। अमर बलिदानियो को यादकर देश के प्रति राष्ट्रभक्ति की अलख जगाई गयी। शसक्त भारत का संदेश देते हुए घरों पर तिरंगा झंडा लगाने हेतु ग्रामीणों को प्रेरित किया गया। तिरंगा यात्रा में कालेज के छात्र-छात्राएं भी शामिल रहे। तिरंगा यात्रा में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह, मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह, प्रियांशु मिश्रा, मुक्ति मौर्या, हरेंद्र सिंह, श्वेतांक तिवारी, अजीत सिंह, जयप्रकाश पांडेय, आकाश सिंह, त्रिवेणी सिंह, शारदा चतुर्वेदी, अंकुर सिंह समेत सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल रहे।

कांवड़ सेवा शिविर एवं भंडारे का पूजा अर्चना के साथ समापन

कांवड़ सेवा शिविर एवं भंडारे के आयोजक दीपक चौधरी वडायला का शाल ओढ़ाकर किया सम्मान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली मेरठ मुख्य मार्ग पर हेरिटेज एकेडमी के सामने समाजसेवी दीपक वडाला द्वारा लगाए गए कावड़ सेवा शिविर एवं भंडारे का समापन पूजा अर्चना के साथ किया गया। शिविर के संपन्न होने पर विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने एवं रालोद महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष श्रीमती सुमन चौधरी ने दीपक चौधरी वडायला का शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

हेरिटेज स्कूल के सामने राधा रानी बैंक्विट हॉल में हर वर्ष की भांति लगे हमारे शिविर में आए सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों अतिथि एवं गणमान्य लोगों महंत सुखवीर दास (जींद हरियाणा) डॉ राजकुमार सांगवान (सांसद बागपत) केशव कुमार चौधरी (एडिशनल पुलिस आयुक्त गाजियाबाद)प्रवीण कुमार पीके (भारतीय क्रिकेटर) मन्नू चौधरी (अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय जाट संसद) डॉ मंजू सिवाच (विधायक मोदीनगर)कोमल पंवार (उप जिला अधिकारी मोदीनगर) सुधा तोमर (प्रांतीय सिविल सेवा) विनोद वैशाली (चेयरमैन मोदीनगर) आनंद प्रकाश मिश्रा (थाना प्रभारी मोदीनगर) राहुल चौधरी (ब्लॉक प्रमुख राजापुर) डॉ करणवीर चौधरी (विधायक प्रतिनिधि) बिट्टू त्यागी सिखेड़ा (राय साहब) सतपाल प्रधान (पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा) अमित सरना (पूर्व जिला अध्यक्ष लोकल) पं सुदेश शर्मा जी (पूर्व विधायक मोदीनगर) प्रशांत चौधरी जी (पूर्व विधायक बागपत) रजत कुमार (तहसीलदार मोदीनगर) विकास तेवतिया (पूर्व चेयर मेन मुरादनगर) स्वामी आरोग्य देव (पतंजलि वैलनेस सेंटर) डॉ अभिषेक चौधरी (एमबीबीएस एमडी) डॉ श्याम सिंह (एमबीबीएस एमडी) डॉ बीनू चौधरी (एमबीबीएस एमडी) विकास यादव (जिला पंचायत) रामपाल चौधरी (जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय लोक दल) डॉ बबली गुर्जर (किसान नेता) विनोद गोस्वामी (भाजपा नेता) सत्येंद्र चौधरी (राष्ट्रीय लोकदल नेता)पप्पन शर्मा (भाजपा नेता) राहुल गुर्जर (जिला अध्यक्ष लोकदल पंचायत प्रकोष्ठ) उमेश कसाना (कसाना डीजे) सुमन चौधरी (जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ लोक दल) ऐन डी जाट (हरियाणवी कलाकार) मनोज चौधरी (ग्राम प्रधान काजमपुर) कर्मवीर चौधरी दिनेश चौधरी सत्येंद्र तोमर एवं सभी का दीपक चौधरी ने आभार व्यक्त किया और कहा कि अपना कीमती समय निकाल कर हमारे शिविर का मान बढ़ाया। आज इस महत्वपूर्ण अवसर पर, मैं तहे दिल से आप सबका आभार व्यक्त करता हूँ।आपने अपना कीमती समय निकालकर जो स्नेह और प्रेम मुझे दिया है, वह मेरे लिए सबसे बड़ी पूंजी है।

इस मौके पर शिव भक्तों को सेवा भाव देने के लिए दीपक चौधरी बढ़ायला (ऋषभ विहार) व उनके साथी विपिन चौधरी रजनीश चौधरी नितिन चौधरी डॉ रूपेश पूनिया संजय चौधरी भदोला परविंदर चौधरी अमित चौधरी रवीश मावी दीपक चौधरी अरुण चौधरी शांति भूषण शिवकुमार त्यागी आदि मौजूद रहे।

व्यापार मंडल ने सुसज्जित कांवड झांकियों को लाने वाले कावड़ियों को किया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। रविवार की सांय डा केएन मोदी काम्पलैक्स के सामने आयोजित एक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की तरफ से आकर्षक व सुसज्जित कांवड झाकियों को लाने वाले बुजुर्ग महिला व किशोर कावड़ियों को एसडीएम कोमल पंवार ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमित गोयल ने की।

उन्होंने कहा कि संगठन व्यापारिक गतिविधियों के साथ. साथ सामाजिक परिस्थितियों में भी सहभागिता कर समाज की प्रति अपने दायित्वों को निभा रहा है। यह कावड़ प्रतिभा सम्मान समारोह पिछले 11 वर्षों की भांति इस वर्ष भी संपूर्ण सफल रहा। सम्मानित होने के पश्चात कावड़िया अपनी मंजिल को आगे बढ़ गया। संगठन के महामंत्री निर्दोष खटाना व आदित्य अग्रवाल ने कहा कि सरकार की कानून व्यवस्था इस वर्ष शानदार रही । वही पालिका के सहयोगात्मक रवैया की भी सराहना की गयी। इस अवसर पर व्यापारी नेता मूलचंद गर्ग, मधुसूदन शर्मा, गौरव रूहेला, दीपक चौधरी आदि ने अभिनंदन किया। कार्यक्रम में विशाल अग्रवाल, अंकुर सैक्सना, सुभाष चौधरी, अमित कराटे, विजय बहादुर, दीपक चौधरी, ललित शर्मा, डॉ सागर एलायन, जगदीश मदान, अरुण चौहान, निकुंज ग्रोवर, शिवम शर्मा, बादल चौधरी, विपिन चौधरी, लोकेश चौधरी, कमल गर्ग, नितिन चौहान, अभिषेक त्यागी, सचिन रस्तोगी आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

गौरी शंकर मंदिर में कांवड़ियों का स्वागत एवं भंडारे का आयोजन किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गौरी शंकर मंदिर सीकरी फाटक मोदीनगर में बड़ी संख्या में कांवड़ियों का स्वागत एवं भंडारे का आयोजन किया गया। प्रसाद वितरण के बाद सीकरी खुर्द गांव में आई विभिन्न विशाल कावड़ यात्रा का कमेटी द्वारा शील्ड देकर स्वागत किया गया।

इस मौके पर पंडित दीपक वत्स प्रदेश महामंत्री राष्ट्रीय परशुराम परिषद एवं पूर्व सभासद नगर पालिका परिषद, संजय प्रधान ब्रह्मसिंह, देवदत्त वत्स, संजय वत्स, डॉक्टर नरेंद्र त्यागी, मोहन सिंह राजकुमार मास्टर, निखिल वत्स आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे । गौरी शंकर मंदिर में कांवड़ यात्रा में अपना महत्वपूर्ण सहयोग करने वाले spo एवं विनोद गौड का व पूरी टीम का शील्ड देकर स्वागत सम्मान समारोह किया गया।

44 वर्षों से निरंतर चल रही भंडारे की पावन सेवा, स्व. राजकुमार गोयल के सेवा संस्कारों को आगे बढ़ाने का संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। बागपत पुरा महादेव स्थित परशुरामेश्वर महादेव मंदिर के सामने स्थित आरकेजी धर्मशाला में श्रद्धालुओं एवं शिवभक्तों की सेवा के लिए विगत 44 वर्षों से निरंतर भंडारे की पावन परंपरा चली आ रही है। इस सेवा परंपरा का शुभारंभ स्वर्गीय राजकुमार गोयल जी (भट्टे वाले) द्वारा किया गया था।

पिताश्री के निधन के पश्चात उनके सेवा भाव, संस्कारों एवं समाज के प्रति समर्पण को अपना मार्गदर्शक मानते हुए दिनेश कुमार गोयल द्वारा इस पावन परंपरा को पूरी श्रद्धा एवं समर्पण के साथ निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है।

भंडारे में बागपत के लोकप्रिय सांसद श्री राजकुमार सांगवान जी एवं बागपत वैश्य समाज के प्रमुख नेता अभिमन्यु गुप्ता ने सम्मिलित होकर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया और सेवा कार्य में सहभागिता की। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों एवं समाजसेवियों ने शिवभक्तों की सेवा की। इस अवसर पर दिनेश कुमार गोयल ने कहा कि 'यह भंडारा केवल भोजन वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि मेरे पूज्य पिताजी की पुण्य स्मृति और उनके सेवा संस्कारों को जीवित रखने का संकल्प है। पिताजी आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा शुरू की गई सेवा आज भी हजारों शिवभक्तों तक पहुंच रही है।

यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है।' उन्होंने बताया कि भंडारे का आयोजन चार दिनों तक प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात्रि 1 बजे तक निरंतर किया जाता है।

इस दौरान दूर-दराज से आने वाले कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं के लिए भोजन, जलपान एवं आवश्यक सेवा-सुविधाओं की व्यवस्था की जाती है। उन्होंने कहा कि बाबा भोलेनाथ की कृपा से 44 वर्षों से चली आ रही यह सेवा परंपरा आने वाली पीढ़ियों तक निरंतर जारी रहे, यही संकल्प है। सेवा, श्रद्धा, संस्कार और मानवता की भावना को समाज में मजबूत करना ही इस पावन आयोजन का उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि 'पिताजी द्वारा शुरू की गई सेवा को आगे बढ़ाना मेरे लिए जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सौभाग्य और बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद है।' हर हर महादेव! बोल बम!

महादेव के भक्तों की सेवा में जुटी रही विंग्स फार्मास्यूटिकल्स

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सावन माह में जारी कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सेवा के उद्देश्य से विंग्स फार्मास्यूटिकल्स ने दिल्ली-गाजियाबाद बॉर्डर स्थित मथुरापुर शिव कांवड़ सेवा समिति के सहयोग से डिक्लोविन कांवड़ सेवा अभियान' प्रारंभ किया। अभियान के तहत हजारों कांवड़ यात्रियों को दर्द से राहत, प्राथमिक चिकित्सा एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कंपनी के अनुसार, लगातार कई दिनों से संचालित इस सेवा अभियान में पैदल यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं को दर्द निवारण संबंधी सहायता, प्राथमिक उपचार तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं, जिससे उनकी धार्मिक यात्रा अधिक सुरक्षित और सहज बन सके। अभियान में कंपनी की ओर से योगेश खंडूड़ी, गौरव, बादल, राकेश एवं रजत सेवा कार्य में सक्रिय रूप से अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि समाज और श्रद्धालुओं की सेवा कंपनी की सामाजिक जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है तथा भविष्य में भी इस प्रकार के जनसेवा कार्यक्रम जारी रहेंगे। स्थानीय श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का सराहनीय उदाहरण बताया।₹सेवा ड्ड देखभाल ड्ड समर्पण₹ की भावना के साथ संचालित यह अभियान विंग्स फार्मास्यूटिकल्स की सामाजिक प्रतिबद्धता को भी दशार्ता है।

चिपियाना बुजुर्ग के बदहाल कांवड़ मार्ग ने खोली प्रशासनिक दावों की पोल, गड्ढों-जलभराव से शिवभक्त परेशान

कपिल चौहान

गौतमबुद्ध नगर(वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा के बीच चिपियाना बुजुर्ग गांव से होकर गुजरने वाले शिवभक्तों को बदहाल सड़क के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कांवड़ मार्ग पर जगह-जगह सड़क टूटी होने के साथ गहरे गड्ढे और जलभराव की समस्या बनी हुई है। विशाल कांवड़ लेकर पैदल चल रहे श्रद्धालुओं के लिए यह मार्ग चुनौती बना हुआ है। स्थानीय लोगों के मुताबिक बारिश के बाद सड़क पर जलभराव से स्थिति और खराब हो गई है। गड्ढों और पानी के बीच से कांवड़ियों को गुजरना पड़ रहा है, जिससे हादसे का खतरा भी बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन की ओर से सुगम आवागमन और बेहतर व्यवस्थाओं के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन चिपियाना का यह मार्ग उन दावों पर सवाल खड़े कर रहा है। लोगों ने जिला प्रशासन से तत्काल सड़क की मरम्मत, गड्ढों को भरने और जलभराव की समस्या दूर कराने की मांग की है।

कैंची से हत्या का खुलासा, आरोपी सर्वेश गिरफ्तार; वारदात में प्रयुक्त हथियार बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने हत्या की घटना का अल्प समय में खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल की गई कैंची भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 10 अगस्त 2026 को वादी ने थाना ट्रोनिका सिटी में तहरीर दी थी कि सर्वेश पुत्र लल्लू ने ट्रोनिका सिटी स्थित फैक्ट्री में उसके भाई अनवेश की कैंची से हत्या कर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने धारा 103(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमों का गठन किया। मैनुअल इनपुट और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सर्वेश दर्जी (38) निवासी ग्राम बरौली, थाना बागवाला, जिला एटा, हाल निवासी पूजा कॉलोनी, ट्रोनिका सिटी को हनुमान चौक के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कैंची बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

शिव भक्तों कावंड़ियों ने मन्दिरों में भगवान शिव का किया जलाभिषेक

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शिव रात्रि के पावन पर्व पर नगर क्षेत्र के शिव मन्दिरों में शिवलिंग पर जल चढ़ाने के लिए शिव भक्तों कावंड़ियों का का तांता लगा रहा। इसके अलावा शिव भक्तों ने मन्दिरों में पूजा अर्चना कर भगवान का जलाभिषेक किया। मन्दिरों में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए कांवड़ वेषधारी पुलिस कर्मी तैनात किए गए थे। पावन पर्व पर शिव मन्दिरों को सुन्दर ढ़ंग से सजाया गया है। नगर क्षेत्र के प्राचीन शिव मन्दिरों छतरी वाला शिव मन्दिर, मोदी मन्दिर, बैंक कालोनी स्थित शिव मन्दिर, भूपेन्द्र पुरी स्थित शिव मन्दिर, उमेश पार्क, मोदीपोन कालोनी, गोविन्दपुरी आदि कालोनियों में स्थित शिव मन्दिरों में शिव भक्त कावंड़ियों का शिव लिंग पर जल चढ़ाने के लिए तांता लगा रहा। इसके अलावा नगर के शिव भक्तों ने मन्दिरों में भगवान शिव का पूजा अर्चना कर भक्ति भाव के साथ जलाभिषेक किया। श्रद्धालु भक्तजनों को कहना है कि जो सच्चें मन से श्रावन मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करता है। भगवान उसकी मनोकामना पूर्ण करते है। मन्दिर समिति के सदस्यों ने जलाभिषेक के लिए सहयोग किया। इसके अलवा मन्दिर समितियों द्वारा शिव मन्दिरों में बहुत सुन्दर ढंग से सजाया गया है। एसडीएम श्रीमती कमल पवार , सीओ भास्कर वर्मा व कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आनंद प्रकाश मिश्रा ने मन्दिरों में जाकर सुरक्षा ने मन्दिरों में जाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

हरियाणा से गाजियाबाद लाई जा रही शराब की बड़ी खेप पकड़ी, दो तस्कर गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। ऑपरेशन प्रहार के तहत अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में थाना टीला मोड़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से हरियाणा मार्का अवैध शराब से भरी एक कार बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 10 अगस्त को लोनी-भोपुरा रोड स्थित डी-मार्ट के सामने संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान कार को रोककर तलाशी ली गई। कार की डिग्गी से 1000 पव्वे देशी शराब और 250 पव्वे अंग्रेजी शराब, कुल 25 पेटी अवैध शराब बरामद हुई। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि शराब हरियाणा से लाकर दिल्ली के रास्ते निर्धारित स्थान पर पहुंचाई जानी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की तलाश शुरू कर दी है। दोनों आरोपियों के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

48 घंटे से पानी की एक-एक बूंद को तरसे महागुण मायवुड के निवासी, सड़क पर उतरा आक्रोश

पानी की किल्लत से परेशान लोगों ने लगाया जाम, जमकर की नारेबाजी; समाधान की मांग

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा(वेलकम इंडिया)। बिसरख थाना क्षेत्र स्थित महागुण मायवुड सोसाइटी में पिछले 48 घंटे से कई टावरों में पानी की आपूर्ति बाधित होने से निवासियों का गुस्सा फूट पड़ा। पानी की समस्या से परेशान सैकड़ों निवासी सोसाइटी से बाहर निकल आए और सड़क पर जाम लगाकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने जमकर नारेबाजी करते हुए पानी की समस्या का तत्काल समाधान कराने की मांग की। निवासियों का आरोप है कि कई टावरों में लंबे समय से पर्याप्त पानी नहीं पहुंच रहा है। लगातार दो दिन से पानी की किल्लत के कारण पीने के पानी के साथ-साथ दैनिक जरूरतों को पूरा करना भी मुश्किल हो गया है। लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। आक्रोशित निवासियों ने कहा कि वे पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए परेशान हैं। प्रदर्शन के चलते सड़क पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। निवासियों ने जल्द समस्या दूर नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

ग्रेटर नोएडा में IBET एक्सपो का आगाज, कचरे से ऊर्जा और रोजगार का मंत्र

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा(वेलकम इंडिया)। इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में मंगलवार को इंडिया बायोएनर्जी एंड टेक एक्सपो (IBET Expo-2026) का भव्य शुभारंभ हुआ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने फीता काटकर एक्सपो का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कचरे को समस्या नहीं, बल्कि ऊर्जा, रोजगार और आर्थिक विकास के अवसर के रूप में देखने की जरूरत है। मंत्री ने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना, सीबीजी उत्पादन और रिकॉर्ड विद्युत आपूर्ति के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी है। उन्होंने देश-विदेश के निवेशकों का आह्वान करते हुए कहा, 'आप उत्तर प्रदेश आइए और कहीं भी अपना प्लांट लगाइए।' उन्होंने कहा कि प्रदेश में सुरक्षित और निवेश अनुकूल माहौल तैयार हुआ है। ए.के. शर्मा ने बताया कि कृषि अवशेष, गन्ना, जैविक अपशिष्ट और नगरीय कचरे से बायोएनर्जी उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं।

दूधेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, 'हर-हर महादेव' से गूंजा गाजियाबाद

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सावन शिवरात्रि के पावन पर्व पर मंगलवार को शहर के प्राचीन श्री दूधेश्वरनाथ महादेव मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए बीती देर रात से ही श्रद्धालुओं और कांवड़ियों का मंदिर पहुंचना शुरू हो गया था। सुबह होते-होते मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। हर तरफ 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से वातावरण शिवमय हो गया।

हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर पहुंचे कांवड़ियों और श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान दूधेश्वरनाथ का जलाभिषेक किया। भक्तों ने पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने भी मंदिर पहुंचकर बाबा भोलेनाथ के दर्शन किए। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के चलते मंदिर के बाहर से लेकर गर्भगृह तक सुरक्षा और व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम जलाभिषेक को लेकर पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। मंदिर और आसपास के क्षेत्रों में चप्पे-चप्पे पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। सीसीटीवी कैमरों के साथ ड्रोन कैमरों से भी पूरे क्षेत्र की निगरानी की गई। पुलिस एवं प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर भीड़ नियंत्रण, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का लगातार जायजा लेते रहे।

एसीपी कोतवाली उपासना पांडेय भी मंदिर परिसर में मौजूद रहीं। उन्होंने श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से जलाभिषेक कराने और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने देने के लिए पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महिला श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया।

सावन शिवरात्रि के अवसर पर मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। सुबह से देर शाम तक भक्तों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। मंदिर परिसर में गूंजते भोलेनाथ के जयकारों और श्रद्धालुओं की भक्ति ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया।

इसी क्रम में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने भी प्राचीन दूधेश्वरनाथ मंदिर पहुंचकर बाबा का जलाभिषेक किया और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेश एवं जनपदवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। वहीं, मंदिर में कार्यकताओं के साथ पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी बाबा दूधेश्वरनाथ का जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सावन शिवरात्रि पर दूधेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने एक बार फिर गाजियाबाद में भगवान शिव के प्रति लोगों की गहरी आस्था और अटूट श्रद्धा को प्रदर्शित किया।

कांवड़िये के लोटे का ढक्कन नहीं खुला, एसीपी ने खुद आगे बढ़कर कराया जलाभिषेक

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सावन एवं शिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री दूधेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच पुलिस प्रशासन श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम जलाभिषेक व्यवस्था को लेकर पूरी तरह मुस्तैद है। इसी क्रम में सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली नगर श्रीमती उपासना पाण्डेय ने मंदिर के गर्भगृह में मौजूद रहकर जलाभिषेक व्यवस्था का जायजा लिया और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित की।

इसी दौरान एक कांवड़िये के जल के लोटे का ढक्कन नहीं खुल पा रहा था। श्रद्धालु को परेशानी में देख एसीपी उपासना पाण्डेय ने स्वयं आगे बढ़कर उसकी मदद की और लोटा खुलवाकर श्रद्धालु को भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कराया। पुलिस अधिकारी के इस संवेदनशील और सेवाभावी अंदाज की मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं ने सराहना की।

एसीपी ने गर्भगृह में तैनात पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षित आवागमन, भीड़ नियंत्रण और सुचारु जलाभिषेक व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने पुलिसकर्मियों से श्रद्धालुओं के साथ सहयोगात्मक व्यवहार रखते हुए हर संभव सहायता उपलब्ध कराने को कहा।

मंदिर परिसर में पुलिस की सतर्कता और सेवा भावना के चलते श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से जलाभिषेक कराने की व्यवस्था लगातार जारी रही।

सिविल डिफेंस के वार्डनों ने की आम जनता की भी सेवा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा के दौरान सिविल डिफेंस के कलेक्ट्रेट प्रभाग के वार्डनों की ड्यूटी मेरठ रोड पर राजनगर एक्सटेंशन चौराहे पर लगाई गई थी। इस चौराहे पर सिविल डिफेंस के सैंकड़ों वार्डनों ने एक ओर जहां कांवड़ियों की सुविधा के लिए यातायात प्रबंधन ने महत्वपूर्ण योगदान दिया वहीं आम जनता के सामने आने वाली परेशानियां को भी दूर किया। सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन ललित जायसवाल, विभाग की उपनियंत्रक अनुराधा सिंह तथा सहायक उपनियंत्रक नेम सिंह के निर्देशन पर डिविजनल वार्डन कुमार के नेतृत्व में राजनगर एक्सटेंशन चौराहे पर सैंकड़ों वार्डन सुबह से लेकर रात्रि 11 बजे तक अलग अलग शिफ्ट में यातायात प्रबंधन तथा जनसहयोग क कार्यक्रम में जी जान से जुटे रहे। प्रतिदिन इस चौराहे से लाखों छोटे बड़े वाहन गुजर रहे थे, दूर दूर तक लगे जाम को धैर्य के साथ चौराहे से गुजारना और साथ ही कांवड़ियों को भी कोई असुविधा न हो इसका पूरा पूरा ख्याल रखा गया। कई बार चौराहे के नजदीक आकर बंद हो रहे वाहनों को धक्का देकर चौराहे के पार पहुंचना, महिलाओं को भारी यातायात के बीच सड़क पार कराना तथा अचानक बीमार हुए लोगों को पास के मेडिकल कैम्प तक पहुंचाने का काम भी किया। इस कार्य में शिवकुमार शर्मा, लवलेश गर्ग, रेखा अग्रवाल, नीतू गर्ग, नेहा सैनी, आलोक कुमार शुक्ला, आशु कुमार, पुष्पेन्द्र आर्य आदि ने अपना सहयोग दिया। इसके अलावा वार्डनों की एक टीम ने कांवड़िए के वेष में एक चोरी करने वाले युवक को तथा एक लड़की से छेड़छाड़ करने वाले को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस टीम में अभिषेक शर्मा, पंकज राठौर, अमित राठौर, वैभव ठाकुर आदि शामिल थे।

दूधेश्वरनाथ मंदिर में सुरक्षा का जायजा, श्रद्धालुओं की सुविधा पर पुलिस की पैनी नजर

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। सावन एवं शिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री दूधेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती। पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन श्री धवल जायसवाल ने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात संबंधित अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्था प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। वहीं, सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी श्रीमती प्रियाश्री पाल ने मंदिर के बाहर उपस्थित रहकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन व्यवस्था सुनिश्चित कराई। उन्होंने पुलिसकर्मियों को भीड़ को व्यवस्थित रखने, श्रद्धालुओं की सहायता करने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

साई उपवन कांवड़ शिविर का हुआ समापन, शिवभक्तों और सेवाभावियों का किया अभिनंदन

नगर आयुक्त व निगम अधिकारियों ने महादेव का जलाभिषेक कर मांगी नगरवासियों की सुख-शांति और समृद्धि की कामना

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। श्रावण मास के पावन अवसर पर गाजियाबाद नगर निगम द्वारा साई उपवन में आयोजित कांवड़ शिविर के समापन कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के माहौल में किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता करते हुए शिवभक्तों तथा कांवड़ यात्रियों की सेवा में जुटे स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा एवं सुविधा के लिए किए गए पुनीत कार्य के लिए शिविर के आयोजकों, सेवाभावियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। वक्ताओं ने कहा कि श्रावण मास में कांवड़ यात्रियों की सेवा करना पुण्य का कार्य है। शिविर के माध्यम से श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में जुटे सभी लोगों का योगदान सराहनीय रहा। वहीं, महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर नगर आयुक्त एवं नगर निगम के अधिकारियों द्वारा भगवान शिव का विधिवत जलाभिषेक किया गया। इस दौरान समस्त नगरवासियों की सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई।

आस्था और भक्ति से ओत-प्रोत इस अवसर पर अधिकारियों ने बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए स्वच्छ, सुंदर एवं समृद्ध गाजियाबाद के संकल्प को दोहराया। नगर निगम की ओर से कहा गया कि शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

कार्यक्रम के दौरान 'हर-हर महादेव' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। सभी ने बाबा भोलेनाथ से नगरवासियों एवं उनके परिवारों पर सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की।

जौहरी एनक्लेव में भरभराकर गिरी हार्डवेयर दुकान की छत, मलबे में दबे तीन लोग

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में सोमवार शाम जौहरी एनक्लेव मेट्रो स्टेशन के पास पारस हार्डवेयर एंड सैनेटरी की तीन मंजिला इमारत का एक हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के बाद दुकान में मौजूद तीन लोग मलबे में दब गए। सूचना मिलते ही फायर सर्विस, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

फायर विभाग के मुताबिक, करीब 6020 फीट की गाटर-पट्टी से बनी इमारत में भारी मात्रा में हार्डवेयर का सामान रखा था। भार अधिक होने के कारण भूतल की छत और मेजेनाइन तल का हिस्सा टूटकर नीचे आ गिरा। स्थानीय लोगों, पुलिस और फायर कर्मियों की मदद से दो लोगों को तत्काल मलबे से निकालकर अस्पताल भेजा गया।

कई घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मलबे में काफी गहराई में फंसे करीब 32 वर्षीय मुकेश यादव को भी बाहर निकाला गया। उसे अचेत अवस्था में जीटीबी अस्पताल दिल्ली रेफर किया गया।

मौके पर एसडीएम लोनी, एसीपी अंकुर विहार, तहसील प्रशासन, पुलिस, नगर पालिका, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें मौजूद रहीं। जर्जर भवन को देखते हुए एनडीआरएफ के लाइफ डिटेक्टर और प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड से सर्च कराया गया। जांच में किसी अन्य व्यक्ति के दबे होने की पुष्टि नहीं हुई। रात करीब 11 बजे भवन को सील कर रेस्क्यू अभियान समाप्त किया गया।